A

A Priori Politics (ए प्रायोरी पॉलिटिक्स)

"ए प्रायोरी पॉलिटिक्स" राजनीति के बारे में सोचने का एक तरीका है जो कुछ मूलभूत सच्चाइयों या सिद्धांतों से शुरू होता है जिन्हें शुरुआत से ही सत्य माना जाता है, बिना वास्तविक दुनिया के उदाहरणों को देखकर उन्हें साबित करने की आवश्यकता के। इसे एक गणितज्ञ की तरह समझें जो सिद्धांतों (स्वयंसिद्ध सत्य) से शुरू होकर सिद्धांतों का निर्माण करता है। राजनीति विज्ञान में, इसमें न्याय, अधिकार या मानव स्वभाव के बारे में मौलिक विचारों के आधार पर समाज को कैसे संरचित किया जाना चाहिए, इस पर तर्क करना शामिल हो सकता है, बजाय इसके कि समाज वास्तव में कैसे कार्य करते हैं। यह सामान्य सिद्धांतों से विशिष्ट राजनीतिक निष्कर्षों तक तर्क करने के बारे में है।

A. C. D. A. (ए. सी. डी. ए.)

"ए. सी. डी. ए." का अर्थ **Arms Control and Disarmament Agency (**शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण एजेंसी**)** है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार के भीतर एक स्वतंत्र एजेंसी थी, जिसकी स्थापना 1961 में हुई थी और बाद में 1999 में इसे विदेश विभाग में विलय कर दिया गया। इसका मुख्य कार्य शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण से संबंधित नीतियों पर शोध करना, योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना था। सरल शब्दों में, इसने विशेष रूप से परमाणु हथियारों के प्रसार को कम करने और नियंत्रित करने के तरीकों पर काम किया, ताकि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके। इसने युद्धों और संघर्षों को सैन्य शस्त्रागारों को सीमित करके रोकने के उद्देश्य से संधियों और समझौतों पर बातचीत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Aung San Suu Kyi (आंग सान सू की)

आंग सान सू की म्यांमार (जिसे बर्मा भी कहा जाता है) की एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। वह अपने देश में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की एक प्रतिष्ठित नेता हैं, जो सैन्य शासन के खिलाफ अपने लंबे संघर्ष के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी सक्रियता के लिए कई साल घर में नज़रबंद रहकर बिताए और उन्हें म्यांमार में लोकतंत्र और मानवाधिकार लाने के लिए उनके अहिंसक प्रयासों के लिए 1991 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनकी कहानी सत्तावादी शासनों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रतिरोध का एक शक्तिशाली उदाहरण है और दमनकारी वातावरण में स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन के लिए लड़ने वालों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालती है। हालांकि हाल के वर्षों में उन्हें कुछ मानवीय मुद्दों पर उनके रुख के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है, फिर भी उनका शुरुआती जीवन और लोकतंत्र के लिए संघर्ष राजनीतिक विमर्श में महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

Abdication (राज त्याग / पद त्याग)

"राज त्याग" तब होता है जब एक सम्राट या संप्रभु (जैसे राजा या रानी) आधिकारिक तौर पर अपना सिंहासन और अपनी सभी शक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ छोड़ देता है। यह तख्तापलट या मृत्यु जैसा नहीं है; यह एक स्वैच्छिक कार्य है जहाँ शासक पद छोड़ने का विकल्प चुनता है। ऐसा विभिन्न कारणों से हो सकता है, जैसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, व्यक्तिगत घोटाले, राजनीतिक दबाव, या बस सेवानिवृत्त होने की इच्छा। ऐतिहासिक रूप से, राज त्याग अक्सर एक महत्वपूर्ण घटना रही है, कभी-कभी उत्तराधिकार के क्रम में बदलाव या यहां तक कि राजनीतिक अस्थिरता भी पैदा कर सकती है। एक प्रसिद्ध उदाहरण यूनाइटेड किंगडम के किंग एडवर्ड VIII हैं, जिन्होंने वालिस सिम्पसन से शादी करने के लिए 1936 में राज त्याग दिया था।

Abdication of Pope (पोप का पद त्याग)

"पोप का पद त्याग" विशेष रूप से दुर्लभ घटना को संदर्भित करता है जब पोप, जो कैथोलिक चर्च के प्रमुख और रोम के बिशप होते हैं, स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं। अधिकांश राजाओं और रानियों के विपरीत, पोप आमतौर पर जीवन भर के लिए चुने जाते हैं। इसलिए, एक पोप का पद त्याग एक अत्यधिक असामान्य और ऐतिहासिक घटना है। सबसे हालिया और उल्लेखनीय उदाहरण पोप बेनेडिक्ट XVI थे, जिन्होंने 2013 में इस्तीफा दे दिया था, उन्होंने बढ़ती उम्र और घटती ताकत का हवाला दिया था। उनका निर्णय आधुनिक समय में अभूतपूर्व था और इससे पोप के अधिकार की प्रकृति और पोप पद के भविष्य के बारे में काफी चर्चा हुई थी।

Abdul Chaffar Khan (अब्दुल गफ्फार खान)

अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें अक्सर "बच्चा खान" या "सरहदी गांधी" के नाम से जाना जाता है, एक प्रमुख पश्तून स्वतंत्रता कार्यकर्ता थे जिन्होंने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को समाप्त करने के लिए काम किया। वह महात्मा गांधी के घनिष्ठ सहयोगी थे और उन्होंने अहिंसक प्रतिरोध का समर्थन किया, जिससे उन्हें "सरहदी गांधी" का उपनाम मिला। खान ने खुदाई खिदमतगार ("ईश्वर के सेवक") आंदोलन

की स्थापना की, जो एक अहिंसक समूह था जिसने शांतिपूर्ण साधनों से ब्रिटिश शासन का विरोध किया। जनजाति युद्ध से जुड़े एक क्षेत्र में उनकी अहिंसा के प्रति प्रतिबद्धता उल्लेखनीय थी, और उन्होंने पश्तून लोगों के अधिकारों और उत्थान के लिए अथक प्रयास किया, शिक्षा और सामाजिक सुधार को बढ़ावा दिया।

Abolitionism or Abolition of Slavery (दासता उन्मूलन या दासता का उन्मूलन)

"दासता उन्मूलन" सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन को संदर्भित करता है जिसका उद्देश्य दासता को समाप्त करना था। "दासता का उन्मूलन" मनुष्यों को संपत्ति के रूप में रखने की प्रथा को आधिकारिक तौर पर समाप्त करने का कार्य है। पूरे इतिहास में, दासता एक व्यापक संस्था थी, और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में दासता उन्मूलन आंदोलन इसकी नैतिकता और वैधता को चुनौती देने के लिए उभरे। इन आंदोलनों में अक्सर भावुक वकालत, विरोध प्रदर्शन, कानूनी लड़ाई और कभी-कभी सशस्त्र संघर्ष भी शामिल होता था। दासता का उन्मूलन मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था, हालांकि दासता की विरासत आज भी समाजों को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में 19वीं शताब्दी में एक बड़ा दासता उन्मूलन आंदोलन देखा गया जिसने अंततः गृहयुद्ध और 13वें संशोधन को जन्म दिया।

Aboriginal (आदिवासी / मूलनिवासी)

राजनीतिक संदर्भ में, "आदिवासी" आमतौर पर किसी विशेष भूमि के मूल या स्वदेशी निवासियों को संदर्भित करता है, विशेष रूप से उन देशों में जो उपनिवेशित हुए हैं। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया में, आदिवासी ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप के स्वदेशी लोग हैं। राजनीतिक रूप से, यह शब्द भूमि अधिकारों, आत्मनिर्णय, सुलह और उपनिवेशीकरण के कारण इन समुदायों को हुए ऐतिहासिक अन्याय के बारे में चर्चा में महत्वपूर्ण है। यह सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक इक्विटी और स्वदेशी आबादी द्वारा सामना किए जाने वाले ऐतिहासिक और प्रणालीगत नुकसानों को दूर करने के लिए चल रहे प्रयासों के मुद्दों पर प्रकाश डालता है।

Abhrahim Lincon (अब्राहम लिंकन)

यह अब्राहम लिंकन की गलत वर्तनी प्रतीत होती है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति थे। अब्राहम लिंकन अमेरिकी राजनीति विज्ञान के सबसे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण शख्सियतों में से एक हैं। उन्होंने अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865) के दौरान राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, जो राष्ट्रीय संकट का एक बड़ा दौर था। उनके प्राथमिक राजनीतिक लक्ष्य संघ को बनाए रखना, दासता को समाप्त करना (मुक्ति उद्घोषणा और 13वें संशोधन में परिणत), और युद्ध के बाद राष्ट्र का पुनर्निर्माण करना था। लिंकन का नेतृत्व, लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, और स्वतंत्रता की रक्षा में उनकी वाक्पटुता ने उन्हें अमेरिकी राजनीतिक विचार में एक स्थायी प्रतीक बना दिया है।

Abrogation (निरस्तीकरण)

"निरस्तीकरण" का अर्थ किसी कानून, समझौते, अधिकार या विशेषाधिकार का आधिकारिक निरसन या रद्द करना है। जब कोई चीज रद्द की जाती है, तो उसे अब वैध या प्रभावी नहीं माना जाता है। राजनीतिक संदर्भ में, ऐसा अक्सर तब होता है जब कोई सरकार किसी विशेष कानून या संधि को वापस लेने या रद्द करने का फैसला करती है। उदाहरण के लिए, एक संसद एक पुराने कानून को रद्द कर सकती है, या एक देश एक संधि को रद्द कर सकता है यदि वह अब उसके राष्ट्रीय हितों की सेवा नहीं करती है। यह पहले से स्थापित किसी चीज को समाप्त करने या अमान्य करने का एक औपचारिक कार्य दर्शाता है।

Absentee Capitalist (अनुपस्थित पूंजीपति)

एक "अनुपस्थित पूंजीपति" उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसके पास बड़ी मात्रा में पूंजी (जैसे कारखाने, भूमि, या निवेश) होती है, लेकिन वे अपने स्वामित्व वाले व्यवसायों या संपत्तियों के दिन-प्रतिदिन के संचालन का सक्रिय रूप से प्रबंधन या उसमें भाग नहीं लेते हैं। इसके बजाय, वे अपने निवेश से आय या लाभ प्राप्त करते हैं, जबकि प्रत्यक्ष प्रबंधन से शारीरिक या कार्यात्मक रूप से अनुपस्थित रहते हैं। इस शब्द में अक्सर एक आलोचनात्मक अर्थ होता है, जिसका अर्थ है कि पूंजीपति दूसरों के श्रम से लाभ उठाता है बिना सीधे उत्पादक प्रक्रिया में योगदान दिए, और यहां तक कि उनके निवेश के सामाजिक परिणामों से भी अलग हो सकता है।

Absentee Land Lord (अनुपस्थित जमींदार)

एक "अनुपस्थित जमींदार" संपत्ति का मालिक होता है, आमतौर पर भूमि या इमारतें, जो अपनी किराए पर दी गई संपत्ति पर या उसके पास नहीं रहता है। इसके बजाय, वे कहीं और रहते हैं और अपनी संपत्ति को दूर से प्रबंधित करते हैं, अक्सर एजेंटों या संपत्ति प्रबंधकों के माध्यम से। राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ में, अनुपस्थित जमींदारी कभी-कभी एक विवादास्पद मुद्दा हो सकती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों या आवास सामर्थ्य से जूझ रहे समुदायों में। आलोचकों का तर्क है कि अनुपस्थित जमींदार स्थानीय समुदाय में कम निवेशित हो सकते हैं, किरायेदारों की जरूरतों के प्रति कम उत्तरदायी हो सकते हैं, और मुख्य रूप से लाभ पर केंद्रित हो सकते हैं, जिससे संभावित रूप से संपत्तियों की उपेक्षा या किरायेदारों का शोषण हो सकता है।

Absolute Contraband (पूर्ण वर्जित वस्तु)

अंतर्राष्ट्रीय कानून के संदर्भ में, विशेष रूप से युद्धकाल में, "पूर्ण वर्जित वस्तु" उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जिन्हें हमेशा दुश्मन देश में ले जाना अवैध माना जाता है, चाहे उनका इच्छित उपयोग कुछ भी हो। ये आमतौर पर ऐसी वस्तुएं होती हैं जिनका प्रत्यक्ष और निर्विवाद सैन्य उद्देश्य होता है, जैसे हथियार, गोला-बारूद, सैन्य उपकरण और ऐसी वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए विशेष रूप से उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल। यदि किसी जहाज को दुश्मन को पूर्ण वर्जित वस्तु ले जाते हुए पाया जाता है, तो उसे विरोधी ताकतों द्वारा कानूनी रूप से जब्त किया जा सकता है। यह अवधारणा संघर्षों के दौरान तटस्थ राष्ट्रों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण है।

Absolute Dominion (पूर्ण प्रभुत्व)

"पूर्ण प्रभुत्व" का अर्थ किसी चीज पर पूर्ण और अप्रतिबंधित शक्ति या नियंत्रण है। राजनीतिक अर्थ में, यह अक्सर शासन के एक ऐसे रूप का वर्णन करता है जहां एक इकाई (जैसे एक सम्राट या एक राज्य) एक क्षेत्र और उसके लोगों पर अंतिम और निर्विवाद अधिकार रखती है। इसका मतलब है कि उनकी शक्ति पर कोई कानूनी या व्यावहारिक सीमा नहीं है। ऐतिहासिक रूप से, यह अवधारणा निरंकुश राजतंत्रों से जुड़ी है, जहां शासक का वचन कानून था और उनके अधिकार को दैवीय या निर्विवाद माना जाता था। यह नियंत्रण और संतुलन या साझा शक्ति वाली प्रणालियों के विपरीत है।

Absolute Equality (पूर्ण समानता)

"पूर्ण समानता" एक राजनीतिक और दार्शनिक अवधारणा है जो बताती है कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी अंतर के समान अधिकार, अवसर, संसाधन और यहां तक कि परिणाम भी होने चाहिए। व्यवहार में, पूर्ण समानता प्राप्त करना एक जटिल और अक्सर बहस वाला विचार है। जबकि कई राजनीतिक विचारधाराएं विभिन्न प्रकार की समानता (जैसे कानून के समक्ष समानता या अवसर की समानता) की वकालत करती हैं, पूर्ण समानता का विचार लागू करना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि लोगों में अलग-अलग प्रतिभाएं, प्रयास और परिस्थितियां होती हैं। कुछ का तर्क है कि पूर्ण समानता के लिए प्रयास करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्रोत्साहन दब सकते हैं, जबकि अन्य का मानना है कि यह वास्तव में न्यायपूर्ण समाज के लिए एक आवश्यक लक्ष्य है।

Absolute Majority (पूर्ण बहुमत)

"पूर्ण बहुमत" का अर्थ है कुल डाले गए वोटों या निर्णय लेने वाले निकाय में उपस्थित कुल सदस्यों के आधे से अधिक। उदाहरण के लिए, यदि 100 लोग मतदान कर रहे हैं, तो पूर्ण बहुमत 51 या अधिक वोट होंगे। राजनीतिक प्रणालियों में, कानूनों को पारित करने, राष्ट्रपति का चुनाव करने या संवैधानिक संशोधनों को मंजूरी देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए अक्सर पूर्ण बहुमत की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करता है कि एक निर्णय को समूह के बहुमत से मजबूत समर्थन प्राप्त हो, न कि केवल सबसे बड़े अल्पसंख्यक से। यह एक साधारण बहुमत से अलग है, जिसका अर्थ है किसी भी अन्य विकल्प से अधिक वोट, भले ही यह कुल का आधा से कम हो।

Absolute Monarchy (पूर्ण राजतंत्र)

"पूर्ण राजतंत्र" सरकार की एक प्रणाली है जहां सम्राट (राजा या रानी) सर्वोच्च और असीमित शक्ति धारण करता है। इस प्रणाली में, सम्राट का अधिकार किसी संविधान, कानूनों या संसद द्वारा प्रतिबंधित नहीं होता है। उनके पास सरकार के सभी पहलुओं, जिसमें कानून, न्याय और सेना शामिल हैं, पर पूर्ण नियंत्रण होता है। सत्ता आमतौर पर वंशानुगत होती है, जो एक शाही परिवार के माध्यम से हस्तांतरित होती है। ऐतिहासिक रूप से, कई यूरोपीय राष्ट्र पूर्ण राजतंत्र थे। जबकि आज कुछ ही सच्चे पूर्ण राजतंत्र मौजूद हैं, कुछ देशों में अभी भी महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव वाले बहुत शक्तिशाली सम्राट हैं।

Absolute Neutrality (Perfect Neutrality) (पूर्ण तटस्थता)

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में "पूर्ण तटस्थता" का अर्थ है कि एक देश अन्य राष्ट्रों के बीच किसी संघर्ष या विवाद में कोई भी पक्ष नहीं लेता है। एक तटस्थ देश किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल होने, किसी भी युद्धरत पक्ष को सहायता प्रदान करने, या अपने क्षेत्र को लड़ने वाली ताकतों द्वारा उपयोग करने की अनुमति देने से बचता है। यह सिर्फ युद्ध में शामिल न होने से परे है; इसका मतलब है निष्पक्षता और गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करना। स्विट्जरलैंड एक देश का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जो ऐतिहासिक रूप से पूर्ण तटस्थता की नीति बनाए रखता है, खासकर सशस्त्र संघर्षों में, जिसका उद्देश्य विदेशी विवादों में उलझने से बचना है।

Absolute Power (पूर्ण शक्ति)

"पूर्ण शक्ति" का अर्थ किसी व्यक्ति, समूह या स्थिति पर पूर्ण और अप्रतिबंधित अधिकार या नियंत्रण है। राजनीति में, यह शासन के एक ऐसे रूप को दर्शाता है जहां शासक या शासक इकाई अंतिम और अनियंत्रित अधिकार रखती है, बिना किसी कानूनी, संवैधानिक या लोकप्रिय

बाधाओं के। यह अवधारणा अक्सर अधिनायकवादी शासन, तानाशाही या पूर्ण राजतंत्रों से जुड़ी होती है, जहां नेता के निर्णय अंतिम और निर्विवाद होते हैं। वाक्यांश "पूर्ण शक्ति पूर्ण रूप से भ्रष्ट करती है" अनियंत्रित अधिकार से जुड़े खतरों पर प्रकाश डालता है, यह सुझाव देता है कि यह दुरुपयोग और अत्याचार को जन्म दे सकता है।

Absolute Ruler (पूर्ण शासक)

एक "पूर्ण शासक" एक ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी देश या क्षेत्र पर पूर्ण और अप्रतिबंधित अधिकार के साथ शासन करता है। उनके पास सर्वोच्च शक्ति होती है, जिसका अर्थ है कि उनके निर्णय कानूनी या संवैधानिक सीमाओं के अधीन नहीं होते हैं, और वे संसद, न्यायपालिका या लोगों के साथ शक्ति साझा नहीं करते हैं। इस प्रकार का शासक आमतौर पर पूर्ण राजतंत्रों या तानाशाही में पाया जाता है, जहाँ उनका वचन कानून होता है और वे सरकार की सभी शाखाओं को नियंत्रित करते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कई सम्राटों, राजाओं और तानाशाहों को पूर्ण शासक माना जाता रहा है, जो अपनी प्रजा पर असीम व्यक्तिगत शक्ति का प्रयोग करते थे।

Absolutism (निरंकुशतावाद)

"निरंकुशतावाद" एक राजनीतिक सिद्धांत और सरकार का एक रूप है जहां शक्ति एक एकल शासक, आमतौर पर एक सम्राट के हाथों में केंद्रित होती है, जिसके पास पूर्ण और अप्रतिबंधित अधिकार होता है। एक निरंकुश राज्य में, शासक की शक्ति कानूनों, एक संविधान, या किसी अन्य शासी निकाय द्वारा सीमित नहीं होती है। यह दर्शन इस विचार पर जोर देता है कि शासक का अधिकार दैवीय अधिकार या किसी अन्य निर्विवाद स्रोत से प्राप्त होता है, जिससे वे केवल ईश्वर के प्रति जवाबदेह होते हैं, यदि कोई हो। फ्रांस के लुई XIV को अक्सर एक निरंकुश सम्राट के प्रमुख उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है, जिन्होंने प्रसिद्ध रूप से घोषणा की थी, "लाएटा, से मोई" ("मैं ही राज्य हूँ")।

Abstention From Voting (मतदान से परहेज़)

"मतदान से परहेज़" तब होता है जब एक पात्र मतदाता चुनाव या मतदान में मतपत्र डालने का विकल्प नहीं चुनता है। यह खाली मतपत्र डालने या मतपत्र को खराब करने से अलग है; इसका मतलब है कि व्यक्ति सक्रिय रूप से मतदान प्रक्रिया में भाग न लेने का फैसला करता है। परहेज़ के कारण व्यापक रूप से भिन्न हो सकते हैं, जिसमें राजनीतिक उदासीनता, सभी उपलब्ध उम्मीदवारों या विकल्पों से असंतोष, यह विश्वास कि किसी का वोट कोई फर्क नहीं डालेगा, या राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ विरोध का एक रूप शामिल है। जबकि कभी-कभी इसे अलगाव के संकेत के रूप में देखा जाता है, परहेज़ एक जानबूझकर राजनीतिक बयान भी हो सकता है।

Abstract Sciences (अमूर्त विज्ञान)

राजनीति विज्ञान के संदर्भ में, "अमूर्त विज्ञान" उन अध्ययन क्षेत्रों को संदर्भित करेगा जो अवधारणाओं और सिद्धांतों से संबंधित हैं, न कि अवलोकन योग्य, मूर्त घटनाओं से। जबकि राजनीति विज्ञान को स्वयं एक सामाजिक विज्ञान के रूप में देखा जा सकता है जो वास्तविक दुनिया की राजनीतिक प्रणालियों का अध्ययन करता है, यह न्याय, शक्ति, वैधता और संप्रभुता जैसी अमूर्त अवधारणाओं में भी delves करता है। उदाहरण के लिए, राजनीतिक दर्शन अत्यधिक अमूर्त है, जो अनुभवजन्य डेटा पर जरूरी नहीं निर्भर करते हुए, तर्क और वैचारिक विश्लेषण के माध्यम से सरकार के आदर्श रूपों या मानवाधिकारों की प्रकृति की खोज करता है। ये अमूर्त अन्वेषण व्यावहारिक राजनीति को समझने के लिए सैद्धांतिक ढाँचा प्रदान करते हैं।

Abstract Social Class (अमूर्त सामाजिक वर्ग)

"अमूर्त सामाजिक वर्ग" लोगों के एक सैद्धांतिक या वैचारिक समूहीकरण को संदर्भित करता है जो साझा आर्थिक स्थितियों या सामाजिक विशेषताओं के आधार पर होता है, न कि एक ठोस रूप से परिभाषित या अवलोकन योग्य समूह। इस अवधारणा का उपयोग अक्सर समाजशास्त्रीय और राजनीतिक विश्लेषण में समाज के भीतर असमानता, शक्ति गतिशीलता और सामाजिक स्तरीकरण के व्यापक पैटर्न को समझने के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, मार्क्सवादी सिद्धांत में, "बुर्जुआ" और "सर्वहारा" उत्पादन के साधनों से उनके संबंध से परिभाषित अमूर्त सामाजिक वर्ग हैं, न कि विशिष्ट व्यक्ति या संगठन। यह व्यापक, सैद्धांतिक स्तर पर सामाजिक संरचनाओं और संघर्षों का विश्लेषण करने में मदद करता है।

Abuse of Flag (झंडे का दुरुपयोग)

"झंडे का दुरुपयोग" आमतौर पर उन कार्यों को संदर्भित करता है जो राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अनादर या अनुचित व्यवहार दिखाते हैं, अक्सर स्थापित ध्वज शिष्टाचार या कानूनों का उल्लंघन करते हैं। इसमें झंडे को विरूपित करना, बिना अनुमति के व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इसका उपयोग करना, इसे जलाना (हालांकि कुछ देशों में, इसे बोलने की स्वतंत्रता के रूप में संरक्षित किया गया है), या इसे जमीन पर छूने देना शामिल हो सकता है। कई देशों में, ध्वज राष्ट्रीय पहचान, संप्रभुता और एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है, और इसका दुरुपयोग राष्ट्र या उसके मूल्यों का अपमान माना जा सकता है। ध्वज के दुरुपयोग के इर्द-गिर्द राजनीतिक चर्चाएँ अक्सर देशभक्ति, बोलने की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय प्रतीकों के मुद्दों पर प्रकाश डालती हैं।

Academic Freedom (शैक्षणिक स्वतंत्रता)

"शैक्षणिक स्वतंत्रता" वह सिद्धांत है कि शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को सेंसरशिप, प्रतिशोध या बर्खास्तगी के डर के बिना विचारों और सूचनाओं पर चर्चा करने, उनका पता लगाने और सिखाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह स्वतंत्रता ज्ञान की खोज, महत्वपूर्ण सोच और समझ की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। राजनीति विज्ञान में, शैक्षणिक स्वतंत्रता विद्वानों को विवादास्पद विषयों पर शोध करने, मौजूदा राजनीतिक सिद्धांतों को चुनौती देने और सरकारी नीतियों की आलोचना करने की अनुमति देती है, बिना राजनीतिक हस्तक्षेप या दमन के डर के, जिससे विश्वविद्यालयों के भीतर एक जीवंत और स्वतंत्र बौद्धिक वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

Academy (अकादमी / विद्यापीठ)

राजनीति विज्ञान के संदर्भ में, "अकादमी" अक्सर राजनीतिक अध्ययन में शामिल शैक्षणिक समुदाय या संस्थानों को संदर्भित करता है। इसमें विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान और विद्वानों के संघ शामिल हैं जहाँ राजनीतिक वैज्ञानिक पढ़ाते हैं, शोध करते हैं और अपने निष्कर्ष प्रकाशित करते हैं। अकादमी सिद्धांत विकसित करके, राजनीतिक घटनाओं का विश्लेषण करके, और भविष्य के नेताओं और नागरिकों को शिक्षित करके राजनीतिक प्रवचन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह महत्वपूर्ण जांच, बौद्धिक बहस और ज्ञान के सृजन के लिए एक स्थान के रूप में कार्य करती है जो सार्वजनिक नीति और राजनीतिक प्रणालियों की समझ को सूचित करती है।

Acceptance Speek (स्वीकृति भाषण)

यह "स्वीकृति भाषण" की गलत वर्तनी प्रतीत होती है। एक "स्वीकृति भाषण" एक औपचारिक संबोधन है जो एक व्यक्ति द्वारा दिया जाता है जिसने अभी-अभी एक पुरस्कार, एक नामांकन, एक चुनाव जीत, या एक महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त किया है। राजनीति में, स्वीकृति भाषण विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण होते हैं जब कोई उम्मीदवार चुनाव जीतता है (जैसे, राष्ट्रपति का स्वीकृति भाषण) या जब कोई नेता एक नया पद ग्रहण करता है। इन भाषणों का उपयोग अक्सर समर्थकों को धन्यवाद देने, भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करने, विभिन्न गुटों को एकजुट करने और आगामी कार्यकाल या भूमिका के लिए माहौल तय करने के लिए किया जाता है। वे कृतज्ञता, दृष्टि और नेतृत्व के संदेशों को व्यक्त करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए जाते हैं।

Accession (अधिमिलन / शामिल होना)

राजनीति विज्ञान में "अधिमिलन" के कुछ अर्थ हैं, लेकिन मुख्य रूप से यह किसी बड़ी चीज़ में शामिल होने या उसका हिस्सा बनने के कार्य को संदर्भित करता है।

1. एक संधि या संगठन में अधिमिलन: जब कोई राज्य किसी संधि या अंतरराष्ट्रीय संगठन में "अधिमिलन" करता है, तो वह औपचारिक रूप से उसके नियमों और दायित्वों से बंधे होने के लिए सहमत होता है। उदाहरण के लिए, एक देश यूरोपीय संघ या विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो सकता है।
2. सिंहासन पर अधिमिलन: यह एक नए सम्राट के सिंहासन ग्रहण करने और पिछले शासक की मृत्यु या राज त्याग के बाद अपने शासनकाल की शुरुआत के औपचारिक कार्य को संदर्भित करता है।
3. क्षेत्र का अधिमिलन: यह उस प्रक्रिया को संदर्भित कर सकता है जिसके द्वारा एक क्षेत्र एक बड़े देश या राज्य का हिस्सा बन जाता है, अक्सर समझौते या विजय के माध्यम से। सभी मामलों में, अधिमिलन एक बड़े इकाई या प्रणाली का हिस्सा बनने के एक औपचारिक कार्य को दर्शाता है।

Accession Clause (अधिमिलन खंड)

"अधिमिलन खंड" किसी अंतर्राष्ट्रीय संधि या समझौते के भीतर एक विशिष्ट प्रावधान या हिस्सा होता है जो उन शर्तों को निर्धारित करता है जिनके तहत अन्य राज्य या संस्थाएं बाद की तारीख में उस संधि या संगठन में शामिल हो सकती हैं। यह अनिवार्य रूप से नए सदस्यों के लिए एक नियमावली के रूप में कार्य करता है। उदाहरण के लिए, एक जलवायु परिवर्तन समझौते में एक अधिमिलन खंड हो सकता है जो यह निर्दिष्ट करता है कि एक देश जो मूल हस्ताक्षरकर्ता नहीं था, बाद में उसका पक्ष कैसे बन सकता है। ये खंड महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे संधियों को समय के साथ अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने की अनुमति देते हैं, जिससे अधिक प्रतिभागियों को शामिल करके वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने में वे अधिक व्यापक और प्रभावी बन जाते हैं।

Accessory Belligerent (सहायक युद्धरत पक्ष)

"सहायक युद्धरत पक्ष" अंतर्राष्ट्रीय कानून में एक राज्य का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है जो, हालांकि आधिकारिक तौर पर युद्ध या संघर्ष का पक्ष नहीं है, फिर भी युद्धरत पक्षों में से एक को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। इस सहायता में सैन्य सहायता, आर्थिक समर्थन, या अपने क्षेत्र को सैन्य अभियानों के लिए उपयोग करने की अनुमति देना शामिल हो सकता है। एक तटस्थ राज्य के विपरीत, जो सख्ती से पक्ष लेने से बचता है, एक सहायक युद्धरत पक्ष के कार्यों को सीधे संघर्ष में योगदान के रूप में देखा जाता है, भले

ही वे स्वयं युद्ध की घोषणा न करें। ऐसे कार्य कभी-कभी सहायक राज्य को विरोधी युद्धरत पक्ष द्वारा एक वैध लक्ष्य माने जाने का कारण बन सकते हैं।

Accident Investigation (दुर्घटना जाँच)

जबकि "दुर्घटना जाँच" इंजीनियरिंग या कानून प्रवर्तन के लिए एक विषय की तरह लग सकता है, इसके राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं, खासकर जब इसमें बड़ी सार्वजनिक घटनाएँ शामिल हों। राजनीति विज्ञान में, दुर्घटनाओं (जैसे विमान दुर्घटनाएं, औद्योगिक आपदाएं, या बुनियादी ढांचे की विफलताएं) की जाँच अक्सर सार्वजनिक जवाबदेही, सरकारी विनियमन और नीति-निर्माण का मामला बन जाती है। राजनीतिक अभिनेता दोष निर्धारित करने, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने या भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए नए कानूनों और विनियमों को लागू करने के लिए जाँच की मांग कर सकते हैं। ऐसी जाँचों के निष्कर्ष महत्वपूर्ण राजनीतिक बहस, सरकारी नीति में बदलाव और मंत्रिस्तरीय जिम्मेदारी के सवाल खड़े कर सकते हैं।

Accident Prevention Movement (दुर्घटना रोकथाम आंदोलन)

"दुर्घटना रोकथाम आंदोलन" एक व्यापक सामाजिक और राजनीतिक प्रयास है जिसका उद्देश्य दुर्घटनाओं की घटनाओं को कम करना है, विशेष रूप से व्यावसायिक सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में। राजनीति विज्ञान के दृष्टिकोण से, इस आंदोलन में अक्सर कानून, सख्त नियमों, सार्वजनिक जागरूकता अभियानों और सुरक्षा अनुसंधान के लिए धन के माध्यम से सरकारी हस्तक्षेप की वकालत शामिल होती है। यह अपने नागरिकों की रक्षा में राज्य की भूमिका और प्रभावी सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति पर प्रकाश डालता है। ये आंदोलन नीतिगत बहसों को प्रभावित कर सकते हैं, नई सरकारी एजेंसियों के निर्माण को जन्म दे सकते हैं, और सुरक्षा मानकों के संबंध में सार्वजनिक अपेक्षाओं को बदल सकते हैं।

Accommodation (समायोजन / सामंजस्य)

राजनीति विज्ञान में "समायोजन" विभिन्न राजनीतिक विचारों, हितों या समूहों को एक ही राजनीतिक प्रणाली के भीतर शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व के लिए अनुकूलित करने या समायोजित करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह संघर्षों को हल करने या उन्हें बढ़ने से रोकने के लिए सामान्य आधार खोजने और समझौता करने के बारे में है। यह विभिन्न तंत्रों के माध्यम से हो सकता है, जैसे सत्ता-साझाकरण समझौते, अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए डिज़ाइन की गई चुनावी प्रणालियाँ, या उन नीतियों को अपनाना जो विभिन्न समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। समायोजन का लक्ष्य विविध समाजों में स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे विभिन्न समूहों को निरंतर संघर्ष के बिना एक साथ रहने की अनुमति मिलती है, जो अक्सर बहुसांस्कृतिक लोकतंत्रों में देखा जाता है।

Accommodation of Principle (सिद्धांत का समायोजन)

"सिद्धांत का समायोजन" सामान्य समायोजन से एक कदम आगे जाता है। इसमें एक व्यापक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने या एकता बनाए रखने के लिए मूलभूत विश्वासों या मूल सिद्धांतों पर समायोजन या समझौता करना शामिल है। यह अक्सर एक बहुत ही कठिन और विवादास्पद प्रक्रिया होती है क्योंकि सिद्धांत गहराई से निहित होते हैं। उदाहरण के लिए, राजनीतिक दल एक गठबंधन सरकार बनाने के लिए अपनी मूल विचारधारा को थोड़ा संशोधित करके "सिद्धांतों को समायोजित" कर सकते हैं, या एक देश नई अंतर्राष्ट्रीय वास्तविकताओं के अनुकूल होने के लिए एक लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति सिद्धांत को समायोजित कर सकता है। इसके लिए आदर्शों के प्रति कठोर पालन पर व्यावहारिक परिणामों को प्राथमिकता देने की इच्छा की आवश्यकता होती है, जिससे अक्सर उन लोगों के बीच आंतरिक बहस छिड़ जाती है जो मानते हैं कि सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

Accord (समझौता / संधि)

एक "समझौता" दो या दो से अधिक पक्षों, अक्सर राज्यों या अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच एक औपचारिक सहमति या समझ है। राजनीति विज्ञान में, इसका उपयोग आमतौर पर एक राजनयिक समझौते, संधि या संधि को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जिसका उद्देश्य विवाद को हल करना, सहयोग स्थापित करना या नए संबंधों को परिभाषित करना है। समझौते आमतौर पर कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में शांति, स्थिरता और पारस्परिक लाभ प्राप्त करने के लिए एक प्राथमिक उपकरण हैं। उदाहरणों में संघर्षों को समाप्त करने वाले शांति समझौते, आर्थिक आदान-प्रदान को विनियमित करने वाले व्यापार समझौते, या वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने वाले पर्यावरण समझौते शामिल हैं। वे विशिष्ट मुद्दों पर एक बातचीत की गई सहमति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

Accountability (जवाबदेही / उत्तरदायित्व)

"जवाबदेही" सुशासन और लोकतंत्र की आधारशिला है। यह शक्ति धारण करने वाले व्यक्तियों या संस्थानों के लिए अपने कार्यों, निर्णयों और प्रदर्शन को उन लोगों को समझाने और न्यायोचित ठहराने के दायित्व को संदर्भित करता है जिनकी वे सेवा करते हैं या एक उच्च प्राधिकारी को।

राजनीति में, इसका मतलब है कि सरकारी अधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और सार्वजनिक संस्थानों को उनके आचरण के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। जवाबदेही के तंत्रों में चुनाव, संसदीय निरीक्षण, स्वतंत्र ऑडिट, न्यायिक समीक्षा और सूचना की स्वतंत्रता के कानून शामिल हैं। जवाबदेही की कमी भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और सार्वजनिक विश्वास के क्षरण का कारण बन सकती है, जिससे यह वैध और प्रभावी शासन के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व बन जाता है।

Accreditation (मान्यता / प्रत्यायन)

राजनीति विज्ञान में "मान्यता" कुछ अलग संदर्भों को संदर्भित कर सकती है। सबसे पहले, यह एक व्यक्ति, संस्था या कार्यक्रम को औपचारिक पहचान या प्रमाणीकरण को संदर्भित करता है जो कुछ स्थापित मानकों या योग्यताओं को पूरा करता है। उदाहरण के लिए, एक राजनयिक दूत को एक विदेशी सरकार के लिए "मान्यता प्राप्त" होता है, जिसका अर्थ है कि उनके अधिकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त है। दूसरे, यह उस प्रक्रिया को संदर्भित कर सकता है जिसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक एक चुनाव को "मान्यता" देते हैं, यह प्रमाणित करते हुए कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष था। तीसरा, यह उन संगठनों पर लागू होता है जो प्रशिक्षण या शिक्षा प्रदान करते हैं, जहां "मान्यता" पुष्टि करती है कि उनके पाठ्यक्रम उद्योग या व्यावसायिक बेंचमार्क को पूरा करते हैं। संक्षेप में, यह औपचारिक सत्यापन और विश्वास के बारे में है।

Accredited Agent (मान्यता प्राप्त एजेंट)

एक "मान्यता प्राप्त एजेंट" एक व्यक्ति या इकाई है जिसे आधिकारिक तौर पर किसी अन्य पक्ष, आमतौर पर एक सरकार या एक संगठन की ओर से एक विशिष्ट क्षमता में कार्य करने के लिए मान्यता प्राप्त और अधिकृत किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में, एक दूतावास में सेवारत एक राजनयिक अपने गृह देश का एक मान्यता प्राप्त एजेंट होता है, जो विदेशों में उसके हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत होता है। इसी तरह, एक व्यक्ति एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के लिए एक मान्यता प्राप्त एजेंट हो सकता है, जिसे विशिष्ट कार्यों या वार्ताओं को पूरा करने के लिए अधिकृत किया जाता है। "मान्यता प्राप्त" स्थिति का मतलब है कि उनके अधिकार को औपचारिक रूप से स्वीकार किया जाता है, जिससे उनके कार्य उस इकाई पर कानूनी रूप से बाध्यकारी हो जाते हैं जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं।

Accredited Envoy (मान्यता प्राप्त दूत)

एक "मान्यता प्राप्त दूत" एक राजनयिक या प्रतिनिधि होता है जिसे किसी विदेशी सरकार द्वारा अपने स्वयं के राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त और औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया है। जब एक दूत को "मान्यता प्राप्त" किया जाता है, तो इसका मतलब है कि प्राप्तकर्ता राज्य अपने प्रमाण-पत्रों और अपने देश की ओर से राजनयिक संबंध संचालित करने के वैध अधिकार को स्वीकार करता है। यह प्रक्रिया राजनयिक संबंधों को स्थापित करने और राष्ट्रों के बीच संचार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण है। दूत प्राप्तकर्ता देश के राष्ट्राध्यक्ष को अपने "क्रेडेंशियल पत्र" प्रस्तुत करता है, जो उनकी आधिकारिक मान्यता को दर्शाता है और उन्हें अपने राजनयिक कर्तव्यों का पालन करने की अनुमति देता है।

Acculturation (संस्कृति-आत्मसात्करण)

"संस्कृति-आत्मसात्करण" सांस्कृतिक परिवर्तन की एक प्रक्रिया है जो तब होती है जब दो या दो से अधिक अलग-अलग संस्कृतियां निरंतर, सीधे संपर्क में आती हैं। इसमें इस बातचीत के परिणामस्वरूप एक या दोनों संस्कृतियों का संशोधन शामिल होता है। राजनीति विज्ञान में, यह अवधारणा आप्रवासन, उपनिवेशवाद या सांस्कृतिक वैश्वीकरण का अध्ययन करते समय प्रासंगिक होती है। यह जांच करता है कि अल्पसंख्यक समूह प्रमुख संस्कृति के अनुकूल कैसे होते हैं (अक्सर भाषा, रीति-रिवाज या राजनीतिक मानदंडों को अपनाते हुए), या प्रमुख संस्कृतियां अल्पसंख्यक समूहों से कैसे प्रभावित हो सकती हैं। संस्कृति-आत्मसात्करण सांस्कृतिक एकीकरण, आत्मसात, या यहां तक कि प्रतिरोध को जन्म दे सकता है, और यह विविध समाजों के भीतर पहचान, सामाजिक सामंजस्य और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।

Accumulation of Capital (पूंजी का संचय)

"पूंजी का संचय" उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके द्वारा धन या आर्थिक संपत्ति समय के साथ एकत्र और विस्तारित होती है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, यह अवधारणा आर्थिक विकास, प्रगति और सामाजिक वर्ग संरचनाओं को समझने के लिए केंद्रीय है। इसमें मुनाफे का पुनर्निवेश, बचत और अधिक उत्पादक संपत्तियों (जैसे मशीनरी, भूमि, या वित्तीय साधन) का अधिग्रहण शामिल है। विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के पूंजी संचय पर अलग-अलग विचार हैं: पूंजीवाद इसे प्रगति और धन सृजन के लिए आवश्यक मानता है, जबकि समाजवादी आलोचनाएं अक्सर इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि यह कैसे असमानता और शोषण को जन्म दे सकता है। सरकारों की नीतियां (जैसे, कराधान, विनियमन) काफी हद तक प्रभावित करती हैं कि पूंजी कैसे संचित और समाज के भीतर वितरित होती है।

Accused (अभियुक्त)

एक राजनीतिक या कानूनी संदर्भ में, एक "अभियुक्त" वह व्यक्ति या समूह होता है जिस पर औपचारिक रूप से अपराध या एक उल्लंघन करने का आरोप लगाया जाता है। राजनीति विज्ञान के दृष्टिकोण से, अभियुक्त के साथ व्यवहार एक राज्य की न्याय प्रणाली और मानवाधिकारों और उचित प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का एक मूलभूत पहलू है। लोकतंत्र आमतौर पर अभियुक्त को कुछ अधिकारों की गारंटी देते हैं, जैसे निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार, कानूनी प्रतिनिधित्व, और दोषी साबित होने तक निर्दोषता का अनुमान। राजनीतिक प्रणाली यह निर्धारित करती है कि आरोप कैसे लगाए जाते हैं, मुकदमे कैसे संचालित किए जाते हैं, और न्याय कैसे प्रशासित किया जाता है, ये सभी कानून के शासन और सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Achean Plan (अचियन योजना)

"अचियन योजना" समकालीन राजनीति विज्ञान या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त मानक शब्द नहीं है। यह एक बहुत ही विशिष्ट ऐतिहासिक या क्षेत्रीय योजना को संदर्भित कर सकता है जिसे सामान्य राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम में आमतौर पर नहीं पढ़ाया जाता है, या शायद यह किसी विशेष अकादमिक अनुशासन या ऐतिहासिक संदर्भ के भीतर एक विशिष्ट शब्द है जो तुरंत स्पष्ट नहीं है। आगे के संदर्भ के बिना, सामान्य राजनीति विज्ञान के दायरे में एक सटीक और सार्वभौमिक रूप से समझी जाने वाली व्याख्या प्रदान करना मुश्किल है। संभव है कि यह प्राचीन ग्रीक इतिहास (अचियन लीग) या किसी बहुत ही विशिष्ट विषय से संबंधित हो।

Achievement Test (उपलब्धि परीक्षण)

एक "उपलब्धि परीक्षण" एक मूल्यांकन है जिसे किसी व्यक्ति के किसी विशिष्ट विषय क्षेत्र में कौशल या ज्ञान के स्तर को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसे उन्हें सिखाया गया है। जबकि मुख्य रूप से शिक्षा में उपयोग किया जाता है, इस अवधारणा के अप्रत्यक्ष राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, सार्वजनिक नीति में, उपलब्धि परीक्षण परिणामों का उपयोग अक्सर शैक्षिक सुधारों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने, सार्वजनिक स्कूलों की गुणवत्ता का आकलन करने या शिक्षा में संसाधन आवंटन के बारे में निर्णय लेने के लिए किया जाता है। राजनीतिक रूप से, मानकीकृत परीक्षण, पाठ्यक्रम विकास और शैक्षिक इक्विटी के बारे में बहस अक्सर उपलब्धि परीक्षण डेटा के उपयोग और व्याख्या को शामिल करती है, जो व्यापक सामाजिक लक्ष्यों और अवसरों को प्रभावित करती है।

Acquired Right (अर्जित अधिकार)

एक "अर्जित अधिकार" एक अधिकार या विशेषाधिकार को संदर्भित करता है जो एक व्यक्ति या समूह ने स्थापित प्रथा, कानून, या रिवाज के माध्यम से प्राप्त किया है, बजाय इसके कि यह एक अंतर्निहित या प्राकृतिक अधिकार हो। ये अधिकार आमतौर पर विशिष्ट शर्तों या कार्यों के आधार पर अर्जित या प्रदान किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ कानूनी प्रणालियों में, भूमि पर लंबे समय तक कब्जा करने से उस भूमि का एक अर्जित अधिकार (प्रतिकूल कब्जा) हो सकता है। रोजगार कानून में, कुछ लाभ सेवा की एक निश्चित अवधि के बाद अर्जित अधिकार बन सकते हैं। राजनीतिक रूप से, अक्सर इस बात पर बहस छिड़ जाती है कि क्या अर्जित अधिकारों को संरक्षित किया जाना चाहिए, खासकर जब नए कानून या नीतियां उन्हें हटाने की धमकी देती हैं, जिससे निहित स्वार्थों और निष्पक्षता के बारे में चर्चा होती है।

Act of Hostility (शत्रुतापूर्ण कार्य)

"शत्रुतापूर्ण कार्य" एक राज्य या इकाई द्वारा दूसरे के खिलाफ एक आक्रामक कार्रवाई या जानबूझकर हिंसा का कार्य है, जो जरूरी नहीं कि युद्ध की औपचारिक घोषणा हो, लेकिन तनाव को काफी बढ़ा सकता है। इन कार्यों में सशस्त्र हमले, साइबर हमले, नाकाबंदी, या अन्य कार्य शामिल हो सकते हैं जो दूसरे राज्य की सुरक्षा या संप्रभुता को खतरा पैदा करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कानून और राजनीति विज्ञान में, शत्रुतापूर्ण कार्य की पहचान आत्मरक्षा के अधिकार को निर्धारित करने और अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष की गतिशीलता और युद्ध या तनाव कम करने के मार्ग को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

Act of State (राज्य का कार्य)

"राज्य के कार्य" का सिद्धांत अंतर्राष्ट्रीय कानून और कभी-कभी घरेलू कानून में एक कानूनी सिद्धांत है, जो कहता है कि एक देश की अदालतें दूसरे संप्रभु राज्य के अपने क्षेत्र के भीतर किए गए आधिकारिक कार्यों का निर्णय नहीं करेंगी। सरल शब्दों में, इसका मतलब है कि एक देश की अदालतें आमतौर पर किसी अन्य स्वतंत्र सरकार के आंतरिक निर्णयों या कार्यों पर सवाल नहीं उठाएंगी या उन्हें पलट नहीं देंगी। यह सिद्धांत राष्ट्रीय संप्रभुता और राजनयिक सम्मान के सिद्धांतों में निहित है। राजनीतिक रूप से, यह प्रभावित करता है कि राज्यों के बीच विवादों को कैसे संभाला जाता है, अदालतों की क्षमता को उन मामलों में हस्तक्षेप करने से सीमित करता है जिन्हें विशुद्ध रूप से दूसरे राष्ट्र के संप्रभु क्षेत्र के भीतर माना जाता है।

Act of Unfriendliness (अमैत्रीपूर्ण कार्य)

"अमैत्रीपूर्ण कार्य" एक राजनयिक शब्द है जो एक राज्य द्वारा दूसरे के खिलाफ की गई कार्रवाई का वर्णन करता है जो, हालांकि "शत्रुतापूर्ण कार्य" या युद्ध का कारण नहीं है, फिर भी उनके संबंध के लिए शत्रुतापूर्ण, विरोधी या हानिकारक माना जाता है। इन कार्रवाइयों में राजनयिकों को निष्कासित करना, छोटे प्रतिबंध लगाना, मजबूत सार्वजनिक निंदा करना, या कुछ समझौतों से हटना शामिल हो सकता है। ऐसे कार्य राजनयिक संबंधों में गिरावट का संकेत देते हैं और यदि अंतर्निहित मुद्दों को हल नहीं किया जाता है तो अधिक गंभीर उपायों के लिए एक चेतावनी या प्रस्तावना के रूप में कार्य कर सकते हैं। वे असंतोष व्यक्त करने या दबाव डालने के एक जानबूझकर राजनीतिक निर्णय को दर्शाते हैं।

Acte Final (एक्टे फाइनल)

"एक्टे फाइनल" एक फ्रांसीसी शब्द है जिसका अर्थ "अंतिम कार्य" है। कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय कानून में, यह उस औपचारिक दस्तावेज को संदर्भित करता है जो एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन या कांग्रेस के समापन कार्यों को रिकॉर्ड करता है। यह एक व्यापक दस्तावेज है जिसमें अक्सर न केवल सहमत किसी भी संधि या सम्मेलनों का अंतिम पाठ शामिल होता है, बल्कि प्रस्ताव, घोषणाएं, कार्यवाही के मिनट और भाग लेने वाले राज्यों और उनके प्रतिनिधियों की सूची भी शामिल होती है। एक्टे फाइनल सम्मेलन के परिणामों और किए गए समझौतों का आधिकारिक रिकॉर्ड है, जो भाग लेने वाले पक्षों के बीच राजनयिक उपलब्धियों और समझ को औपचारिक रूप देता है।

Action Francaise (एक्शन फ्रांसेस)

"एक्शन फ्रांसेस" एक फ्रांसीसी दूर-दराज़ राजनीतिक आंदोलन और समाचार पत्र था जो 19वीं सदी के अंत से 20वीं सदी के मध्य तक सक्रिय था। राजनीतिक रूप से, यह अपने अत्यधिक राष्ट्रवादी, राजशाहीवादी, संसद-विरोधी और अक्सर यहूदी-विरोधी विचारों के लिए जाना जाता था। आंदोलन ने फ्रांस में एक वंशानुगत राजशाही की वापसी की वकालत की और गणतंत्रवादी लोकतंत्र की गहरी आलोचना की। हालांकि इसने कभी भी व्यापक चुनावी सफलता हासिल नहीं की, एक्शन फ्रांसेस कुछ रूढ़िवादी और राष्ट्रवादी हलकों में बौद्धिक रूप से प्रभावशाली था और फ्रांसीसी राजनीतिक बहसों में एक भूमिका निभाई, विशेष रूप से राष्ट्रीय संकट के दौरान। यह एक सत्तावादी, अति-राष्ट्रवादी राजनीतिक शक्ति का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

Activist (कार्यकर्ता)

एक "कार्यकर्ता" वह व्यक्ति होता है जो अक्सर संगठित अभियानों, विरोध प्रदर्शनों, वकालत, या प्रत्यक्ष कार्रवाई के अन्य रूपों में संलग्न होकर राजनीतिक या सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सक्रिय रूप से काम करता है। कार्यकर्ता आमतौर पर मजबूत विश्वासों या सिद्धांतों से प्रेरित होते हैं और जनमत, सरकारी नीति, या कॉर्पोरेट व्यवहार को प्रभावित करना चाहते हैं। वे मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, शक्ति को जवाबदेह ठहराकर, और नागरिकों को संगठित करके लोकतंत्रों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से लेकर राजनीतिक प्रचारकों तक, वे परिवर्तन के वाहक हैं जो यथास्थिति को चुनौती देते हैं और सुधारों के लिए दबाव डालते हैं।

Actors in International Relations (अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में कर्ता)

"अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में कर्ता" उन सभी संस्थाओं, व्यक्तियों या समूहों को संदर्भित करता है जो वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और प्रभाव डालते हैं। परंपरागत रूप से, राज्यों (देशों) को प्राथमिक कर्ता माना जाता था। हालांकि, आधुनिक राजनीति विज्ञान कर्ताओं की एक बहुत व्यापक श्रेणी को पहचानता है, जिनमें शामिल हैं:

- **राज्य:** राष्ट्रीय सरकारें और उनकी संस्थाएं।
- **अंतरसरकारी संगठन (IGOs):** जैसे संयुक्त राष्ट्र (UN) या यूरोपीय संघ (EU), जो राज्यों द्वारा गठित होते हैं।
- **गैर-सरकारी संगठन (NGOs):** जैसे एमनेस्टी इंटरनेशनल या डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जो सरकारों से स्वतंत्र रूप से काम करते हैं।
- **बहुराष्ट्रीय निगम (MNCs):** कई देशों में काम करने वाली बड़ी कंपनियां।
- **व्यक्ति:** जैसे प्रमुख राजनयिक, धार्मिक नेता या आतंकवादी।
- **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन:** सीमाओं के पार अवैध गतिविधियों में शामिल समूह। इन विविध कर्ताओं को पहचानने से वैश्विक राजनीति की जटिल गतिशीलता की अधिक व्यापक समझ मिलती है।

AD HOC Committee (तदर्थ समिति)

एक "तदर्थ समिति" एक समिति है जो एक विशिष्ट, अस्थायी उद्देश्य के लिए बनाई गई है। "तदर्थ" शब्द लैटिन से आया है जिसका अर्थ है "इस (उद्देश्य के लिए)।" राजनीति में, ये समितियाँ किसी विशेष मुद्दे को संबोधित करने, किसी विशिष्ट मामले की जाँच करने, या एक विशेष कार्य करने के लिए बनाई जाती हैं जो स्थायी समितियों के नियमित कर्तव्यों के दायरे से बाहर होता है। एक बार जब उनका विशिष्ट कार्य पूरा हो जाता है, तो उन्हें आमतौर पर भंग कर दिया जाता है। तदर्थ समितियाँ विधानसभाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, या यहाँ तक कि राजनीतिक

दलों के भीतर भी पाई जा सकती हैं, जो तत्काल या विशेष आवश्यकताओं से निपटने के लिए एक लचीला तंत्र प्रदान करती हैं बिना स्थायी संरचनाएँ बनाए।

AD Referendum (विज्ञापन जनमत संग्रह / जनमत संग्रह के लिए)

"AD Referendum" एक लैटिन वाक्यांश है जिसका अर्थ है "संदर्भ के लिए" या "आगे विचार के लिए।" कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय कानून में, जब कोई समझौता या संधि "ad referendum" पर हस्ताक्षर की जाती है, तो इसका मतलब है कि हस्ताक्षरकर्ता (आमतौर पर एक राजनयिक या प्रतिनिधि) ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसे अभी भी उनकी गृह सरकार की अंतिम मंजूरी या अनुसमर्थन की आवश्यकता है। हस्ताक्षर प्रारंभिक सहमति और औपचारिक अनुमोदन के लिए दस्तावेज प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता को इंगित करता है। यह प्रक्रिया वार्ताओं को आगे बढ़ने की अनुमति देती है जबकि यह सुनिश्चित करती है कि अंतिम निर्णय उचित राष्ट्रीय प्राधिकरण, जैसे संसद या राष्ट्राध्यक्ष के पास रहता है।

Additional Act (अतिरिक्त अधिनियम)

एक "अतिरिक्त अधिनियम" आमतौर पर एक पूरक कानूनी दस्तावेज या एक और औपचारिक समझौते को संदर्भित करता है जो एक मौजूदा संधि, सम्मेलन या विधायी अधिनियम में जोड़ता है, स्पष्ट करता है या संशोधन करता है। यह एक स्वतंत्र नया कानून नहीं है, बल्कि पहले से मौजूद किसी चीज का विस्तार या संशोधन है। अंतर्राष्ट्रीय कानून में, राज्य नए परिस्थितियों को संबोधित करने, नए प्रावधानों को शामिल करने, या अस्पष्टताओं को स्पष्ट करने के लिए एक मौजूदा संधि में एक अतिरिक्त अधिनियम पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, बिना पूरी मूल संधि पर फिर से बातचीत किए। घरेलू कानून में, यह एक विधायी संशोधन हो सकता है जो पहले पारित कानून में नए खंड जोड़ता है।

Additional Articles (अतिरिक्त अनुच्छेद)

"अतिरिक्त अनुच्छेद" खंड या धाराएं होती हैं जिन्हें किसी मौजूदा कानूनी दस्तावेज, संधि, संविधान या समझौते में जोड़ा जाता है। वे मूल पाठ के मूल ढांचे को बदले बिना उसका विस्तार करने, संशोधित करने या आगे का विवरण प्रदान करने का काम करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संधियों में, नए मुद्दों को संबोधित करने या विशिष्ट कार्यान्वयन प्रदान करने के लिए अतिरिक्त अनुच्छेदों पर बाद में बातचीत की जा सकती है। एक संविधान में, संशोधनों को अक्सर अतिरिक्त अनुच्छेदों के रूप में तैयार किया जाता है। ये अनुच्छेद कानूनी और राजनीतिक ढांचे को बदलते हुए परिस्थितियों या नई सहमति के साथ समय के साथ विकसित और अनुकूलित होने की अनुमति देने के लिए आवश्यक हैं, जिससे उनकी निरंतर प्रासंगिकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित होती है।

Adelphic Polyandry (एडेलफिक बहुपति प्रथा)

"एडेलफिक बहुपति प्रथा" बहुपति प्रथा (एक प्रकार का बहुविवाह जिसमें एक महिला के एक से अधिक पति होते हैं) का एक बहुत विशिष्ट और अपेक्षाकृत दुर्लभ रूप है जिसमें पति भाई होते हैं। इस प्रथा को "भ्रातृ बहुपति प्रथा" के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि यह मुख्य रूप से एक समाजशास्त्रीय या मानवशास्त्रीय अवधारणा है, लेकिन इसका उन पारंपरिक समाजों में राजनीतिक निहितार्थ है जहां इसका अभ्यास किया जाता है। यह अक्सर विशिष्ट सामाजिक संरचनाओं, विरासत पैटर्न और संसाधन प्रबंधन रणनीतियों (जैसे, भाइयों के बीच भूमि को अविभाजित रखना) से संबंधित होता है। राजनीतिक रूप से, ऐसी पारिवारिक संरचनाएं रिश्तेदारी-आधारित शक्ति गतिशीलता, स्थानीय शासन और प्रथागत कानूनों के प्रवर्तन को प्रभावित कर सकती हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पारंपरिक सामाजिक संगठन मजबूत रहता है।

Adjournment Motion (स्थगन प्रस्ताव)

"स्थगन प्रस्ताव" किसी विधायी निकाय (जैसे संसद या विधानसभा) में एक प्रक्रियागत उपकरण है जो किसी सदस्य को सार्वजनिक महत्व के एकD महत्वपूर्ण मामले पर चर्चा करने के लिए सदन के सामान्य कामकाज को बाधित करने की अनुमति देता है। यह सदस्यों के लिए एक गंभीर मुद्दे पर तत्काल ध्यान आकर्षित करने का एक तरीका है जिस पर तत्काल बहस की आवश्यकता है। यदि प्रस्ताव पीठासीन अधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है, तो नियमित एजेंडा अलग रखा जाता है, और सदन तत्काल मामले पर बहस करता है। इस उपकरण का उपयोग अक्सर विपक्ष द्वारा सरकार को जवाबदेह ठहराने और उन मुद्दों को उजागर करने के लिए किया जाता है जो तुरंत जनता को प्रभावित करते हैं, जिससे संसदीय लोकतंत्र की गतिशील प्रकृति का प्रदर्शन होता है।

Adjournment of the House (सदन का स्थगन)

"सदन का स्थगन" किसी विधायी निकाय की कार्यवाही को एक विशिष्ट अवधि के लिए निलंबित करने को संदर्भित करता है, जैसे कि कुछ घंटों, एक दिन के लिए, या एक निश्चित भविष्य की तारीख तक। यह विश्व स्तर पर संसदों और विधानसभाओं में एक सामान्य प्रथा है। अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी आमतौर पर स्थगन की घोषणा करते हैं। यह "सत्रावसान" (एक सत्र का अंत) या "विघटन" (सदन के कार्यकाल

का अंत) से अलग है क्योंकि यह दैनिक कामकाज में एक अस्थायी विराम है। स्थगन सदस्यों को अवकाश लेने, अगले सत्र की तैयारी करने या सरकार को अप्रत्याशित परिस्थितियों को संबोधित करने की अनुमति देता है, जिससे विधायी प्रक्रिया का सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है।

Adjudication (न्यायनिर्णयन / अधिनिर्णय)

"न्यायनिर्णयन" वह औपचारिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक न्यायाधीश, न्यायाधिकरण या अन्य निर्णय लेने वाला प्राधिकारी एक विवाद को हल करता है या किसी मामले पर एक बाध्यकारी निर्णय देता है। राजनीति विज्ञान में, यह विशिष्ट मामलों पर कानूनों की व्याख्या और उन्हें लागू करने के न्यायिक कार्य को संदर्भित करता है। यह प्रक्रिया कानून के शासन को बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें साक्ष्य सुनना, सभी पक्षों के तर्कों पर विचार करना और फिर एक निर्णय देना शामिल है। न्यायनिर्णयन न्यायपालिका और प्रशासनिक न्यायाधिकरणों का एक मुख्य कार्य है, यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों को निष्पक्ष रूप से लागू किया जाए और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की जाए।

Adjustment of Personality (व्यक्तित्व का समायोजन)

जबकि "व्यक्तित्व का समायोजन" आमतौर पर एक मनोवैज्ञानिक या समाजशास्त्रीय अवधारणा है, राजनीति विज्ञान में, यह इस बात से संबंधित हो सकता है कि व्यक्ति विशिष्ट राजनीतिक भूमिकाओं, संगठनों या सामाजिक मानदंडों के अनुरूप अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं, व्यवहारों और दृष्टिकोणों को कैसे अनुकूलित करते हैं। उदाहरण के लिए, एक राजनेता को व्यापक मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अपने सार्वजनिक व्यक्तित्व को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है, या एक सिविल सेवक नौकरशाही संस्कृति के अनुरूप अपने दृष्टिकोण को समायोजित कर सकता है। यह इस बात को भी संदर्भित कर सकता है कि नागरिक राजनीतिक प्रणाली में परिवर्तनों के जवाब में अपनी अपेक्षाओं और भागीदारी को कैसे समायोजित करते हैं। यह व्यक्तिगत मनोविज्ञान और राजनीतिक संरचनाओं के बीच परस्पर क्रिया पर प्रकाश डालता है।

Administration (प्रशासन)

राजनीति विज्ञान में "प्रशासन" सरकार की कार्यकारी शाखा को संदर्भित करता है, विशेष रूप से संस्थानों और प्रक्रियाओं का वह समूह जो सार्वजनिक नीति को लागू करने, सरकारी मामलों का प्रबंधन करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। इसमें सरकारी विभाग, एजेंसियां और सिविल सेवा शामिल हैं। लोक प्रशासन का अध्ययन इस बात पर केंद्रित है कि नीतियों को कैसे लागू किया जाता है, सरकारी संसाधनों का प्रबंधन कैसे किया जाता है, और नागरिकों को सेवाएं प्रभावी ढंग से और कुशलता से कैसे प्रदान की जाती हैं। एक कार्यशील राज्य के लिए अच्छा प्रशासन महत्वपूर्ण है, यह सुनिश्चित करता है कि राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णय प्रभावी ढंग से लागू हों।

Administrative Courts (प्रशासनिक न्यायालय)

"प्रशासनिक न्यायालय" विशेष न्यायालय होते हैं जो व्यक्तियों या संगठनों और सरकार (या उसके प्रशासनिक निकायों) के बीच कानूनी विवादों से निपटते हैं। नियमित दीवानी अदालतों के विपरीत जो निजी पक्षों के बीच विवादों को संभालती हैं, प्रशासनिक न्यायालय सरकारी कार्यों, निर्णयों और विनियमों की वैधता से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे नागरिकों को उन प्रशासनिक निर्णयों को चुनौती देने के लिए एक तंत्र प्रदान करते हैं जिन्हें वे अनुचित, मनमाना या गैरकानूनी मानते हैं। ये न्यायालय यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि सरकार कानून के दायरे में कार्य करे और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करे, इस प्रकार प्रशासनिक न्याय और जवाबदेही को बनाए रखे।

Administrative Ethics (प्रशासनिक नैतिकता)

"प्रशासनिक नैतिकता" उन नैतिक सिद्धांतों और मूल्यों को संदर्भित करती है जो सार्वजनिक प्रशासकों और सिविल सेवकों के अपने आधिकारिक कर्तव्यों में आचरण का मार्गदर्शन करते हैं। यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि सरकारी अधिकारी ईमानदारी, निष्पक्षता, निष्पक्षता और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। अध्ययन का यह क्षेत्र भ्रष्टाचार, हितों के टकराव, पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक शक्ति के उचित उपयोग जैसे मुद्दों की जांच करता है। मजबूत प्रशासनिक नैतिकता को बढ़ावा देना सरकार में जनता के विश्वास को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग जिम्मेदारी से और सभी नागरिकों के लाभ के लिए किया जाए, न कि निजी लाभ के लिए।

Administrative Law (प्रशासनिक कानून)

"प्रशासनिक कानून" सार्वजनिक कानून की एक शाखा है जो सरकार की प्रशासनिक एजेंसियों की गतिविधियों को नियंत्रित करती है। यह सार्वजनिक प्रशासन की शक्तियों, कर्तव्यों और प्रक्रियाओं से संबंधित है और नागरिकों और निजी संगठनों के साथ उनके संबंधों को नियंत्रित करता है। अनिवार्य रूप से, यह वह कानून है जो नियंत्रित करता है कि सरकारी एजेंसियां कैसे काम करती हैं। इसमें नियम बनाने (एजेंसियां

विनियम कैसे बनाती हैं), न्यायनिर्णयन (वे विवादों को कैसे हल करती हैं), और न्यायिक समीक्षा (अदालतें एजेंसी के कार्यों की देखरेख कैसे करती हैं) के बारे में कानून शामिल हैं। नौकरशाही द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रशासनिक निर्णय निष्पक्ष, पारदर्शी और कानूनी ढांचे के भीतर हों, प्रशासनिक कानून महत्वपूर्ण है।

Administrative Tribunal (प्रशासनिक न्यायाधिकरण)

एक "प्रशासनिक न्यायाधिकरण" एक अर्ध-न्यायिक निकाय है (जिसका अर्थ है कि इसमें कुछ न्यायिक शक्तियां हैं) जिसे कानून द्वारा विशिष्ट प्रकार के विवादों को हल करने के लिए स्थापित किया गया है, अक्सर व्यक्तियों और सरकारी एजेंसियों के बीच, या श्रम संबंधों, कराधान, या पर्यावरणीय मामलों जैसे विशेष क्षेत्रों के भीतर। नियमित अदालतों के विपरीत, न्यायाधिकरण आमतौर पर कम औपचारिक, अधिक विशेषीकृत होते हैं, और विवाद समाधान के त्वरित और अधिक सुलभ साधन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं। वे प्रशासनिक न्याय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, नागरिकों को पारंपरिक अदालतों की लंबी और जटिल प्रक्रिया से गुजरे बिना प्रशासनिक निर्णयों को चुनौती देने का अवसर प्रदान करते हैं। उनके निर्णयों को अक्सर उच्च न्यायालयों में अपील किया जा सकता है।

Adorno, Theodor W. (एडोर्नो, थियोडोर डब्ल्यू.)

थियोडोर डब्ल्यू. एडोर्नो एक प्रमुख जर्मन दार्शनिक, समाजशास्त्री और संगीतज्ञ थे, और आलोचनात्मक सिद्धांत के फ्रैंकफर्ट स्कूल के एक प्रमुख सदस्य थे। राजनीति विज्ञान में, उनका काम आधुनिक समाज, संस्कृति और राजनीति के अपने आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपभोक्तावाद, जन संस्कृति (जिसे उन्होंने "संस्कृति उद्योग" कहा) और अधिनायकवाद और अधिनायकवाद के खतरों की भारी आलोचना की। एडोर्नो ने तर्क दिया कि तकनीकी तर्कसंगतता और जन समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता और महत्वपूर्ण सोच के नुकसान का कारण बन सकते हैं। उनके सिद्धांत शक्ति संरचनाओं और उन तरीकों की एक गहरी, दार्शनिक आलोचना प्रदान करते हैं जिनमें सामाजिक ताकतें व्यक्तियों को हेरफेर कर सकती हैं और वास्तविक लोकतंत्र को बाधित कर सकती हैं।

Adult Education (प्रौढ़ शिक्षा)

"प्रौढ़ शिक्षा" वयस्कों (आमतौर पर अनिवार्य स्कूली शिक्षा की आयु से परे) के लिए डिज़ाइन किए गए संगठित शिक्षण कार्यक्रमों और गतिविधियों को संदर्भित करती है ताकि उनके ज्ञान, कौशल या योग्यताओं में सुधार हो सके। हालांकि मुख्य रूप से एक शैक्षिक अवधारणा है, इसके महत्वपूर्ण राजनीतिक निहितार्थ हैं। सरकारें अक्सर कार्यबल कौशल को बढ़ाने, नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देने, सामाजिक असमानता को कम करने और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए प्रौढ़ शिक्षा में निवेश करती हैं। राजनीतिक रूप से, प्रौढ़ शिक्षा के बारे में बहस में अक्सर धन, पाठ्यक्रम विकास, और राष्ट्रीय विकास और सामाजिक गतिशीलता में इसकी भूमिका शामिल होती है। इसे नागरिकों को सशक्त बनाने, सूचित भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करने और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक उपकरण के रूप में देखा जाता है।

Adult Franchise (वयस्क मताधिकार)

"वयस्क मताधिकार," जिसे "सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार" के रूप में भी जाना जाता है, आधुनिक लोकतंत्र का एक मूलभूत सिद्धांत है। इसका मतलब है कि प्रत्येक वयस्क नागरिक, चाहे उनका लिंग, नस्ल, धर्म, धन या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो, को चुनाव में मतदान करने का अधिकार है। यह उन पिछली प्रणालियों के विपरीत है जहां मतदान के अधिकार संपत्ति के स्वामित्व, साक्षरता या अन्य भेदभावपूर्ण मानदंडों के आधार पर प्रतिबंधित थे। वयस्क मताधिकार की स्थापना लोकतांत्रिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह व्यापक राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करता है और सरकारों को पूरी वयस्क आबादी के प्रति अधिक प्रतिनिधि और जवाबदेह बनाता है, जो "एक व्यक्ति, एक वोट" के विचार को दर्शाता है।

Adversary Politics (विरोधी राजनीति)

"विरोधी राजनीति" एक राजनीतिक प्रणाली का वर्णन करती है, जो अक्सर दो-दलीय लोकतंत्रों में पाई जाती है, जहां मुख्य राजनीतिक दल या समूह लगातार एक-दूसरे के विरोध में होते हैं, अपने मतभेदों पर जोर देते हैं और सत्ता के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा करते हैं। आम सहमति या समझौता खोजने के बजाय, ध्यान असहमति को उजागर करने और विपक्षी दल की नीतियों या नेतृत्व पर हमला करने पर होता है। जबकि यह सरकार की जोरदार बहस और जांच का कारण बन सकता है, आलोचकों का तर्क है कि इससे राजनीतिक गतिरोध, दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने में अक्षमता, और राष्ट्रीय हित के बजाय अल्पकालिक लाभ पर ध्यान केंद्रित हो सकता है। यह राजनीतिक जुड़ाव की एक अत्यधिक टकराव वाली शैली की विशेषता है।

Advisory Council (सलाहकार परिषद)

एक "सलाहकार परिषद" व्यक्तियों का एक समूह है जिसे किसी सरकारी निकाय, संगठन या नेता को विशिष्ट मुद्दों या नीतियों पर विशेषज्ञ सलाह, सिफारिशें या मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए नियुक्त किया जाता है। निर्णय लेने वाले निकायों के विपरीत, सलाहकार परिषदों के पास

कार्यकारी शक्ति नहीं होती है; उनकी भूमिका पूरी तरह से परामर्शदात्री होती है। वे अक्सर किसी विशेष क्षेत्र के विशेषज्ञों, हितधारकों या सामुदायिक प्रतिनिधियों से बने होते हैं। राजनीतिक रूप से, सरकारें विभिन्न दृष्टिकोणों को इकट्ठा करने, विशेष ज्ञान प्राप्त करने, आम सहमति बनाने, या औपचारिक कार्यान्वयन से पहले प्रस्तावित नीतियों पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया का परीक्षण करने के लिए सलाहकार परिषदों की स्थापना करती हैं, जिससे नीतिगत निर्णयों को सूचित और आकार देने में मदद मिलती है।

Advocate General (महाधिवक्ता)

"महाधिवक्ता" कुछ कानूनी प्रणालियों में एक वरिष्ठ कानूनी अधिकारी होता है, विशेष रूप से ब्रिटिश सामान्य कानून से प्रभावित कानूनी परंपरा वाले देशों में। उनकी प्राथमिक भूमिका सरकार को कानूनी मामलों पर सलाह देना और कानूनी कार्यवाही में सरकार का प्रतिनिधित्व करना है, खासकर उच्च न्यायालयों में। उदाहरण के लिए, भारत में, महाधिवक्ता एक राज्य का सर्वोच्च कानून अधिकारी होता है, जिसे राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाता है, और राज्य सरकार को सलाह देता है। वे यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि सरकारी कार्य कानून का पालन करें और राज्य की कानूनी स्थिति का बचाव करें, इस प्रकार कार्यकारी शाखा के भीतर कानून के शासन को बनाए रखें।

Affinity (संबद्धता / आत्मीयता)

राजनीति विज्ञान में, "संबद्धता" व्यक्तियों, समूहों या राजनीतिक संस्थाओं के बीच एक प्राकृतिक पसंद, संबंध या समानता को संदर्भित करती है, जो अक्सर साझा हितों, गठबंधनों या सहयोग की ओर ले जाती है। यह संबद्धता सामान्य विचारधाराओं, साझा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आर्थिक संबंधों या ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित हो सकती है। उदाहरण के लिए, दो देशों के बीच साझा भाषा और ऐतिहासिक अतीत के कारण एक मजबूत "संबद्धता" हो सकती है, जिससे घनिष्ठ राजनयिक संबंध बन सकते हैं। एक राजनीतिक दल के भीतर, सदस्य कुछ नीतिगत पदों के लिए एक संबद्धता साझा कर सकते हैं। इन संबद्धताओं को समझना राजनीतिक संरेखण, मतदान पैटर्न और राजनीतिक गुटों के गठन को समझाने में मदद करता है।

Affirmation (पुष्टि / दृढ़ीकरण)

एक राजनीतिक या कानूनी संदर्भ में "पुष्टि" उस व्यक्ति द्वारा की गई एक गंभीर घोषणा को संदर्भित करती है जो शपथ लेने पर ईमानदारी से आपत्ति करता है (धार्मिक या अन्य विश्वासों के कारण)। धार्मिक ग्रंथ पर शपथ लेने के बजाय, वे "पुष्टि" करते हैं कि उनका बयान सत्य है। राजनीति विज्ञान में व्यापक रूप से, पुष्टि किसी नीति, सिद्धांत या विश्वास के लिए सार्वजनिक रूप से समर्थन व्यक्त करने के कार्य को संदर्भित कर सकती है। उदाहरण के लिए, एक सरकार मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि जारी कर सकती है। यह किसी स्थिति या मूल्य की एक मजबूत, सकारात्मक घोषणा या पुन: पुष्टि को दर्शाता है।

Affirmative Action (सकारात्मक कार्यवाही)

"सकारात्मक कार्यवाही" नीतियों और प्रथाओं का एक समूह है जिसे अतीत और वर्तमान के भेदभाव को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऐतिहासिक रूप से वंचित समूहों को विशेष विचार या प्राथमिकताएं प्रदान करता है, विशेष रूप से रोजगार, शिक्षा और सरकारी अनुबंधों जैसे क्षेत्रों में। लक्ष्य विविधता को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि इन समूहों, जैसे नस्लीय अल्पसंख्यक या महिलाएं, को सफल होने के समान अवसर मिलें। राजनीतिक रूप से, सकारात्मक कार्यवाही अत्यधिक विवादास्पद है, जिसमें योग्यता, रिवर्स भेदभाव, और सामाजिक समानता प्राप्त करने में सरकार की भूमिका के बारे में बहस छिड़ जाती है। समर्थक तर्क देते हैं कि प्रणालीगत अन्याय को ठीक करने के लिए यह आवश्यक है, जबकि आलोचकों का तर्क है कि इससे अनुचितता हो सकती है और यह स्वयं भेदभावपूर्ण है।

Affluent Society (समृद्ध समाज)

"समृद्ध समाज" एक ऐसा शब्द है, जिसे अर्थशास्त्री जॉन केनेथ गैलब्रेथ ने लोकप्रिय बनाया है, जो एक ऐसे समाज का वर्णन करता है जहां आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उच्च स्तर की भौतिक धन, आराम और उपभोक्ता वस्तुओं का आनंद लेता है। ऐसे समाज में, प्राथमिक आर्थिक चुनौती बुनियादी कमी (आवश्यकताओं की कमी) से बढ़कर प्रचुरता का प्रबंधन करने और उपभोग, अवकाश और धन के वितरण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने की ओर स्थानांतरित हो जाती है। राजनीतिक रूप से, यह अवधारणा अक्सर सरकारी खर्च की प्राथमिकताओं (जैसे, निजी उपभोग बनाम सार्वजनिक सेवाएं), प्रचुरता के बीच गरीबी की निरंतरता, और उच्च उपभोग स्तरों के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में बहस को प्रकाश में लाती है।

Afghanistan Crisis (अफगानिस्तान संकट)

"अफगानिस्तान संकट" अफगानिस्तान द्वारा दशकों के संघर्ष, अस्थिरता और बाहरी हस्तक्षेप की विशेषता वाले लंबे समय से चले आ रहे और जटिल राजनीतिक, सामाजिक और मानवीय चुनौतियों को संदर्भित करता है। राजनीति विज्ञान के दृष्टिकोण से, इस संकट में राज्य संस्थानों का पतन, गैर-राज्य अभिनेताओं (जैसे तालिबान) का उदय, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता (विशेष रूप से 2021 में अमेरिकी वापसी),

मानवाधिकारों का हनन, और लोकतांत्रिक शासन के लिए संघर्ष शामिल है। यह राष्ट्र-निर्माण की जटिलताओं, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, और किसी देश के राजनीतिक भविष्य और उसके लोगों पर लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के प्रभाव पर प्रकाश डालता है। संकट के महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक निहितार्थ जारी हैं।

African National Congress (अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस)

"अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस" (ANC) दक्षिण अफ्रीका की एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी है, जो रंगभेद को समाप्त करने में अपनी भूमिका के लिए सबसे प्रसिद्ध है। 1912 में स्थापित, ANC का प्रारंभिक लक्ष्य सभी अफ्रीकियों को एक लोगों के रूप में एक साथ लाना था ताकि उनके अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा की जा सके। नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं के नेतृत्व में, यह रंगभेद शासन के खिलाफ अहिंसक और बाद में सशस्त्र संघर्ष में अग्रणी शक्ति बन गई, जिसने नस्लीय अलगाव और भेदभाव को लागू किया। रंगभेद के अंत के बाद, ANC 1994 से दक्षिण अफ्रीका में सत्तारूढ़ पार्टी बन गई, जो एक मुक्ति आंदोलन से एक शासी राजनीतिक दल में बदल गई, जो राजनीतिक सत्ता में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक बदलाव का प्रदर्शन करती है।

Afro-Asian Conference (अफ्रीकी-एशियाई सम्मेलन)

"अफ्रीकी-एशियाई सम्मेलन," जिसे बांडुंग सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है, 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में आयोजित एक ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय बैठक थी। इसने 29 नव स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी राष्ट्रों के नेताओं को एक साथ लाया, जिनमें से कई हाल ही में औपनिवेशिक शासन से उभरे थे। राजनीतिक रूप से, यह सम्मेलन "अफ्रीकी-एशियाई एकजुटता" को बढ़ावा देने, इन राष्ट्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने, और शीत युद्ध के दौरान आत्मनिर्णय, शांति और गुटनिरपेक्षता की वकालत करने के लिए महत्वपूर्ण था। इसने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए आधारशिला रखी और वैश्विक मंच पर विकासशील दुनिया की सामूहिक आवाज को मुखर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने महाशक्ति गुटों के प्रभुत्व को चुनौती दी।

Age of Consent (सहमति की आयु)

"सहमति की आयु" एक कानूनी शब्द है जो उस न्यूनतम आयु को संदर्भित करता है जिस पर किसी व्यक्ति को यौन गतिविधि के लिए कानूनी रूप से सहमति देने में सक्षम माना जाता है। राजनीति विज्ञान में, सहमति की आयु के बारे में बहस में बाल संरक्षण, व्यक्तिगत अधिकार, सामाजिक मूल्य और व्यक्तिगत संबंधों को विनियमित करने में राज्य की भूमिका के जटिल मुद्दे शामिल हैं। ये बहसें अक्सर कमजोर आबादी की रक्षा करने और व्यक्तिगत स्वायत्तता का सम्मान करने के बीच तनाव को उजागर करती हैं। विभिन्न देशों और न्यायालयों में सहमति की अलग-अलग आयु होती है, जो विविध सांस्कृतिक मानदंडों और कानूनी परंपराओं को दर्शाती है, और इन कानूनों में बदलाव में अक्सर महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक विवाद शामिल होता है।

Age of Enlightenment (ज्ञानोदय युग)

"ज्ञानोदय युग" (जिसे केवल ज्ञानोदय के नाम से भी जाना जाता है) 17वीं और 18वीं शताब्दी के दौरान यूरोप में एक बौद्धिक और दार्शनिक आंदोलन था जिसने तर्क, व्यक्तिवाद और पारंपरिक अधिकार के संदेह पर जोर दिया। राजनीति विज्ञान में, यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि ज्ञानोदय विचारकों (जैसे लॉक, रूसो, मोंटेस्क्यू, और वोल्टेयर) ने प्राकृतिक अधिकारों, सामाजिक अनुबंध, शक्ति के पृथक्करण, लोकप्रिय संप्रभुता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बारे में क्रांतिकारी विचार विकसित किए। इन विचारों ने पूर्ण राजतंत्रों और दैवीय अधिकार सिद्धांतों को मौलिक रूप से चुनौती दी, आधुनिक लोकतांत्रिक क्रांतियों (जैसे अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियों) और संवैधानिक सरकारों और मानवाधिकारों के विकास के लिए बौद्धिक आधारशिला रखी।

Ageleicism (आयुवाद)

"आयुवाद" मुख्यधारा के राजनीति विज्ञान में एक अपेक्षाकृत असामान्य शब्द है। यह "Ageism" (आयु के आधार पर भेदभाव) की गलत वर्तनी प्रतीत होती है, जो एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त अवधारणा है। यह मानते हुए कि यह आयुवाद को संदर्भित करता है, यह व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ उनकी उम्र के आधार पर भेदभाव और पूर्वाग्रह का एक रूप है। राजनीति विज्ञान में, आयुवाद विभिन्न तरीकों से प्रकट होता है, जैसे वृद्ध श्रमिकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां, युवा पीढ़ियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी, या विभिन्न आयु समूहों की सार्वजनिक धारणाओं को प्रभावित करने वाले रूढ़िवादिता। यह सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा नीति, मतदान पैटर्न और अंतरपीढ़ीगत न्याय जैसे मुद्दों को प्रभावित कर सकता है, यह उजागर करता है कि उम्र सामाजिक और राजनीतिक असमानता का आधार कैसे हो सकती है।

Agency for International Development (अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी)

"अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी" आमतौर पर अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी **(USAID)** को संदर्भित करती है, जो नागरिक विदेशी सहायता और विकास सहायता के प्रशासन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार की प्राथमिक एजेंसी है। राजनीति विज्ञान में, ऐसी एजेंसियां किसी देश की विदेश नीति और सॉफ्ट पावर के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। वे आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोकतंत्र और विकासशील देशों में

मानवीय सहायता सहित विभिन्न उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करती हैं। USAID की गतिविधियां दाता देश की विदेश नीति प्राथमिकताओं और वैश्विक विकास के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जिसमें अक्सर प्राप्तकर्ता राष्ट्रों के साथ जटिल राजनीतिक संबंध शामिल होते हैं।

Agent Provocateur (उत्तेजक एजेंट)

एक "उत्तेजक एजेंट" वह व्यक्ति होता है जो दूसरों को अवैध या अवांछनीय कार्य करने के लिए उकसाता या प्रोत्साहित करता है, अक्सर उन्हें उजागर करने या उन पर मुकदमा चलाने, या उनके उद्देश्य को बदनाम करने के इरादे से। राजनीति विज्ञान में, इस शब्द का उपयोग अक्सर उन व्यक्तियों (अक्सर गुप्त पुलिस या खुफिया एजेंटों) का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो राजनीतिक समूहों, विरोध प्रदर्शनों या सामाजिक आंदोलनों में घुसपैठ करते हैं ताकि गैरकानूनी व्यवहार को उकसा सकें। लक्ष्य गिरफ्तारियों को न्यायोचित ठहराना, आंदोलन को बाधित करना, या इसके खिलाफ जनमत को मोड़ना हो सकता है। उत्तेजक एजेंटों के उपयोग से पुलिस रणनीति, नागरिक स्वतंत्रता और विरोध आंदोलनों की वैधता के बारे में महत्वपूर्ण नैतिक और कानूनी सवाल उठते हैं।

Aggrandizement (बढ़ावा देना / आत्म-महिमा)

"बढ़ावा देना" किसी व्यक्ति, समूह या राष्ट्र की शक्ति, स्थिति या धन को बढ़ाने के कार्य को संदर्भित करता है, अक्सर दूसरों की कीमत पर। राजनीति विज्ञान में, इसका उपयोग अक्सर किसी राज्य या नेता के विस्तारवादी उद्देश्यों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, एक देश सैन्य विजय या राजनयिक दबाव के माध्यम से क्षेत्रीय बढ़ावा दे सकता है। इसी तरह, एक राजनीतिक नेता सत्ता को मजबूत करके और लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर करके व्यक्तिगत बढ़ावा दे सकता है। यह अवधारणा अक्सर साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं, सत्तावादी प्रवृत्तियों, और सामूहिक भलाई या अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बजाय स्वार्थ पर ध्यान केंद्रित करने से जुड़ी है।

Aggression (आक्रामकता)

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में "आक्रामकता" संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के असंगत तरीके से एक राज्य द्वारा दूसरे राज्य की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ सशस्त्र बल के उपयोग को संदर्भित करती है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन और संघर्ष का एक प्राथमिक कारण है। आक्रामकता के कृत्यों में आक्रमण, बमबारी, नाकाबंदी, और सैन्य हमले के अन्य रूप शामिल हैं। राजनीतिक रूप से, आक्रामकता को अक्सर अंतर्राष्ट्रीय निंदा, प्रतिबंधों और सामूहिक सुरक्षा उपायों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि राज्य ऐसे व्यवहार को रोकना चाहते हैं और वैश्विक शांति और स्थिरता बनाए रखना चाहते हैं।

Aggressive Nationalism (आक्रामक राष्ट्रवाद)

"आक्रामक राष्ट्रवाद" राष्ट्रवाद का एक अत्यधिक तीव्र और अक्सर चरम रूप है जो अपने राष्ट्र के हितों को दूसरों से ऊपर रखता है, अक्सर राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सैन्य बल या आक्रामक विदेश नीति के उपयोग की वकालत करता है। इसकी विशेषता राष्ट्रीय श्रेष्ठता की एक अतिरंजित भावना, क्षेत्रीय विस्तार की इच्छा, और अन्य राष्ट्रों या अपने ही देश के भीतर अल्पसंख्यक समूहों के प्रति शत्रुता है। नागरिक राष्ट्रवाद के विपरीत, जो साझा मूल्यों और नागरिकता पर जोर देता है, आक्रामक राष्ट्रवाद सैन्यवाद, परायापन और अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष को जन्म दे सकता है, जैसा कि विश्व युद्धों से पहले के ऐतिहासिक उदाहरणों में देखा गया है। यह राष्ट्रीय प्रभुत्व को प्राथमिकता देता है और अक्सर अंतर्राष्ट्रीय कानून या मानवाधिकारों की उपेक्षा करता है।

Agitation (आंदोलन)

राजनीतिक विज्ञान में, 'आंदोलन' का अर्थ किसी विशेष राजनीतिक या सामाजिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किया गया सार्वजनिक विरोध या अभियान है। यह अक्सर लोगों के लिए मौजूदा नीतियों के प्रति अपनी असंतोष व्यक्त करने या बदलाव की मांग करने का एक तरीका होता है। इसमें रैलियाँ, प्रदर्शन, हड़तालें, बहिष्कार या यहाँ तक कि सविनय अवज्ञा जैसे विभिन्न तरीके शामिल हो सकते हैं। आंदोलन का उद्देश्य किसी मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करना, जनमत को संगठित करना और निर्णय लेने वालों पर प्रतिक्रिया देने के लिए दबाव डालना है। यह उन समूहों के लिए एक सामान्य उपकरण है जो महसूस करते हैं कि उनकी आवाज़ पारंपरिक राजनीतिक माध्यमों से नहीं सुनी जा रही है और वे नीति को प्रभावित करना या यथास्थिति को चुनौती देना चाहते हैं। आंदोलन शांतिपूर्ण हो सकते हैं या कभी-कभी हिंसक भी हो सकते हैं, जो विरोध की प्रकृति और अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है।

Agitator (आंदोलनकारी)

एक आंदोलनकारी वह व्यक्ति या समूह होता है जो किसी आंदोलन या विरोध में सक्रिय रूप से भाग लेता है और अक्सर उसे भड़काता है। वे आमतौर पर एक विशेष कारण के मुखर समर्थक होते हैं, जो जनभावना को उत्तेजित करने और विरोध प्रदर्शनों में भागीदारी को प्रोत्साहित करने का काम करते हैं। आंदोलनकारी आंदोलनों को व्यवस्थित करने, नेतृत्व करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे करिश्माई

वक्ता, प्रभावी आयोजक, या केवल एक कारण के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध व्यक्ति हो सकते हैं। उनके कार्यों का उद्देश्य लोगों को संगठित करना और सत्ता में बैठे लोगों पर आंदोलन की शिकायतों या मांगों को पूरा करने के लिए दबाव डालना है। जबकि इस शब्द के कभी-कभी नकारात्मक अर्थ हो सकते हैं, जो व्यवधान का सुझाव देते हैं, राजनीतिक विज्ञान में, एक आंदोलनकारी केवल वह होता है जो सक्रिय रूप से आंदोलन को बढ़ावा देता है और उसमें भाग लेता है।

Agrarian Movement (कृषक आंदोलन)

एक कृषक आंदोलन एक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन है जिसमें मुख्य रूप से किसान, ग्रामीण मजदूर या कृषि श्रमिक शामिल होते हैं, जिसका उद्देश्य भूमि, खेती के तरीकों, कृषि नीतियों या ग्रामीण जीवन स्थितियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना होता है। ये आंदोलन अक्सर आर्थिक कठिनाई, भूमि के अनुचित वितरण, शोषणकारी श्रम प्रथाओं या कृषि क्षेत्र को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाली सरकारी नीतियों के कारण उत्पन्न होते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कृषक आंदोलन परिवर्तन के लिए शक्तिशाली ताकतें रहे हैं, भूमि सुधार, अपनी उपज के लिए बेहतर मूल्य, ऋण तक पहुंच या शोषण से सुरक्षा की मांग करते हुए। वे शांतिपूर्ण विरोध और याचिकाओं से लेकर संगठित प्रतिरोध और यहां तक कि सशस्त्र विद्रोह तक विभिन्न रूप ले सकते हैं, सभी कृषि से जुड़े लोगों की भलाई और अधिकारों में सुधार की मांग करते हैं।

Agrarian Parties (कृषक दल)

कृषक दल ऐसे राजनीतिक दल होते हैं जो विशेष रूप से किसानों, कृषि श्रमिकों और ग्रामीण आबादी के हितों और चिंताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका राजनीतिक एजेंडा आमतौर पर कृषि क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित होता है, जैसे भूमि स्वामित्व, कृषि सब्सिडी, खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण विकास और बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा। ये दल अक्सर उन देशों में उभरते हैं जहाँ आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर करता है। उनका उद्देश्य कृषि समुदाय को लाभ पहुंचाने वाली सरकारी नीति को प्रभावित करना है, ऐसी नीतियों की वकालत करना जो फसलों के लिए उचित मूल्य, स्थायी खेती के तरीके और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित करें। उनका राजनीतिक प्रभाव देश की आर्थिक संरचना और उसके कृषि क्षेत्र की ताकत के आधार पर भिन्न हो सकता है।

Agrarianism (कृषिवाद)

कृषिवाद एक सामाजिक और राजनीतिक दर्शन है जो ग्रामीण जीवन, खेती और कृषि क्षेत्र को समाज की नींव और जीवन के एक सदाचारी तरीके के रूप में महत्व देता है। यह भूमि स्वामित्व, आत्मनिर्भरता और प्रकृति से गहरे संबंध के महत्व पर जोर देता है। कृषिवाद के समर्थक अक्सर शहरी जीवन को भ्रष्ट मानते हैं और ऐसी नीतियों की वकालत करते हैं जो छोटे पैमाने की खेती का समर्थन करती हैं, कृषि भूमि की रक्षा करती हैं और ग्रामीण समुदायों को बढ़ावा देती हैं। उनका मानना है कि एक स्वस्थ समाज एक मजबूत कृषि आधार में निहित है और स्वतंत्रता, कड़ी मेहनत और समुदाय जैसे गुण खेती के माध्यम से पोषित होते हैं। कृषिवाद पारंपरिक खेती के तरीकों को संरक्षित करने और अत्यधिक औद्योगीकरण या शहरीकरण को रोकने के उद्देश्य से राजनीतिक आंदोलनों और नीतियों को प्रभावित कर सकता है।

Agriculture Sector (कृषि क्षेत्र)

कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था का वह हिस्सा है जो फसलों की खेती, पशुधन पालन, मछली पकड़ने और वानिकी से संबंधित है। यह कई अर्थव्यवस्थाओं में एक मौलिक क्षेत्र है, जो भोजन, उद्योगों के लिए कच्चा माल और विशेष रूप से विकासशील देशों में आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए रोजगार प्रदान करता है। राजनीतिक विज्ञान में, कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकारी नीतियां इसे महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। इन नीतियों में किसानों के लिए सब्सिडी, भूमि उपयोग पर नियम, कृषि उत्पादों के लिए व्यापार समझौते और खाद्य सुरक्षा के लिए पहल शामिल हो सकते हैं। कृषि क्षेत्र की भलाई का राष्ट्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और सामाजिक समानता पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, जिससे अक्सर राजनीतिक बहस और नीतिगत हस्तक्षेप होते हैं।

Aid (सहायता)

राजनीतिक विज्ञान में, 'सहायता' का अर्थ आम तौर पर एक देश द्वारा दूसरे देश को, या अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा जरूरतमंद देशों को दी जाने वाली सहायता से है। यह विभिन्न रूपों में हो सकती है, जिसमें वित्तीय सहायता, तकनीकी विशेषज्ञता, भोजन, दवा या सैन्य उपकरण शामिल हैं। सहायता अक्सर मानवीय कारणों से प्रदान की जाती है, जैसे आपदा राहत या गरीबी उन्मूलन, लेकिन यह राजनीतिक या रणनीतिक उद्देश्यों को भी पूरा कर सकती है, जैसे आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, गठबंधन बनाना या किसी क्षेत्र को स्थिर करना। जबकि सहायता विकास और संकट प्रतिक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, इसकी प्रभावशीलता और प्रभाव पर अक्सर बहस होती है, जिसमें निर्भरता, भ्रष्टाचार और क्या यह वास्तव में प्राप्तकर्ता देश के हितों को पूरा करती है, इसके बारे में चिंताएं होती हैं।

Aide Memoire (स्मृति पत्र)

एक स्मृति पत्र एक लिखित राजनयिक संचार है, जो आमतौर पर एक अनौपचारिक शैली में होता है, जिसका उपयोग किसी चर्चा के बिंदुओं को संक्षेप में प्रस्तुत करने, किसी विशेष मुद्दे पर स्थिति प्रस्तुत करने या प्रस्तावों को रेखांकित करने के लिए किया जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ फ्रेंच में "स्मृति सहायता" है। एक औपचारिक नोट या पत्र के विपरीत, एक स्मृति पत्र आमतौर पर अहस्ताक्षरित और कम औपचारिक होता है, लेकिन यह एक बातचीत या एक पक्ष के विचारों के बयान का एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड के रूप में कार्य करता है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में, इसे अक्सर राजनयिकों या विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के बीच आदान-प्रदान किया जाता है ताकि समझौतों, वार्ताओं या राजनयिक आदान-प्रदान के संबंध में स्पष्टता सुनिश्चित की जा सके और गलतफहमी से बचा जा सके। यह बिना किसी बाध्यकारी कानूनी दस्तावेज के चर्चाओं के मुख्य पहलुओं पर नज़र रखने में मदद करता है।

Aide-de-Camp (ADC) (एडीसी)

एक एडीसी, जिसे अक्सर एडीसी के रूप में संक्षिप्त किया जाता है, एक उच्च पदस्थ राजनीतिक या सैन्य अधिकारी, जैसे राष्ट्राध्यक्ष, राज्यपाल या जनरल का व्यक्तिगत सहायक या सचिव होता है। एक एडीसी की भूमिका मुख्य रूप से प्रशासनिक सहायता प्रदान करना, कार्यक्रम का प्रबंधन करना, संचार संभालना और विभिन्न कार्यक्रमों में अपने प्रमुख का प्रतिनिधित्व करना है। वे अक्सर एक करीबी विश्वासपात्र और संपर्ककर्ता के रूप में कार्य करते हैं, जिससे उनके प्रमुख के कार्यालय और नियुक्तियों का सुचारू कामकाज सुनिश्चित होता है। जबकि यह भूमिका अक्सर औपचारिक होती है, विशेष रूप से आधुनिक संदर्भों में, इसमें आधिकारिक कर्तव्यों का प्रबंधन करने और प्रमुख और अन्य गणमान्य व्यक्तियों या संगठनों के बीच संचार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी शामिल हो सकती हैं।

Air Attack (हवाई हमला)

एक हवाई हमला, जिसे हवाई पट्टी या बमबारी के रूप में भी जाना जाता है, सैन्य विमानों द्वारा जमीन या नौसैनिक लक्ष्यों को निशाना बनाकर किया गया एक आक्रामक अभियान है। इसमें लड़ाकू विमान, बमवर्षक या ड्रोन जैसे विभिन्न प्रकार के विमान शामिल हो सकते हैं, जो बम, मिसाइल या मशीन-गन फायर जैसे युद्ध सामग्री वितरित करते हैं। हवाई हमलों का उपयोग युद्ध में दुश्मन के बुनियादी ढांचे, सैन्य प्रतिष्ठानों या सैनिकों के जमावड़े को नष्ट करने, जमीनी बलों को निकट हवाई सहायता प्रदान करने या प्रतिद्वंद्वी पर दबाव डालने के लिए किया जाता है। वे आधुनिक युद्ध का एक महत्वपूर्ण घटक हैं, जिसका उद्देश्य अक्सर रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करना या दुश्मन की युद्ध करने की क्षमता को कमजोर करना है। हवाई हमलों के उपयोग से नैतिक और मानवीय चिंताएं बढ़ती हैं, विशेष रूप से नागरिक हताहतों के संबंध में।

Air Corridor (हवाई गलियारा)

एक हवाई गलियारा आकाश में एक निर्दिष्ट और परिभाषित मार्ग है जिसका विमानों को पालन करना चाहिए, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां हवाई यातायात प्रतिबंधित है या जहां विमानों की नियंत्रित आवाजाही की आवश्यकता है। ये गलियारे विभिन्न कारणों से स्थापित किए जाते हैं, जिनमें सैन्य अभियान, मानवीय सहायता वितरण, या संवेदनशील या विवादित क्षेत्रों पर वाणिज्यिक उड़ानों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करना शामिल है। वे अनिवार्य रूप से हवाई राजमार्ग हैं, जो टक्करों को रोकने और विमानों को कुशलता से मार्गदर्शन करने के लिए विनियमित हैं। एक राजनीतिक या सैन्य संदर्भ में, एक हवाई गलियारा स्थापित करने में अक्सर विशिष्ट उद्देश्यों के लिए सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने के लिए देशों या पक्षों के बीच समझौते शामिल होते हैं, जो संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं।

Air Raid (हवाई हमला)

एक हवाई हमला एक सैन्य अभियान है जिसमें विमानों द्वारा हमला शामिल होता है, आमतौर पर नागरिक आबादी या गैर-सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाता है, अक्सर दुश्मन को हतोत्साहित करने या उनकी औद्योगिक क्षमता को नष्ट करने के इरादे से। सैन्य लक्ष्यों पर केंद्रित हवाई हमले के विपरीत, एक हवाई हमले का तात्पर्य आमतौर पर एक व्यापक, अधिक अंधाधुंध बमबारी अभियान से है। ऐतिहासिक रूप से, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हवाई हमले प्रमुख हो गए, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश और नागरिक हताहत हुए। राजनीतिक विज्ञान में, हवाई हमले कुल युद्ध की अवधारणा और गैर-लड़ाकों को लक्षित करने पर प्रकाश डालते हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत महत्वपूर्ण नैतिक और कानूनी प्रश्न उठते हैं। उनका उपयोग दुश्मन की लड़ने की इच्छा को तोड़ने या युद्ध के प्रयास का समर्थन करने की उनकी क्षमता को कमजोर करने के लिए किया जाता है।

Air Raid Shelter (हवाई हमला आश्रय)

एक हवाई हमला आश्रय एक संरक्षित संरचना है, जो आमतौर पर भूमिगत या भारी किलेबंद होती है, जिसे हवाई हमले या हवाई बमबारी के दौरान नागरिकों के लिए सुरक्षा और आश्रय प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये आश्रय बमों, छर्रों और अन्य मलबे के प्रभाव का सामना करने के लिए बनाए गए हैं, जो हमले के तत्काल खतरों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। वे व्यापक हवाई युद्ध के समय, जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, आम हो गए, जहां नागरिक आबादी को सीधे निशाना बनाया गया था। राजनीतिक विज्ञान में, हवाई हमला आश्रयों का अस्तित्व और निर्माण संघर्ष के दौरान अपने नागरिकों की रक्षा के लिए एक सरकार के प्रयासों को दर्शाता है और नागरिक जीवन पर आधुनिक युद्ध के प्रभाव को उजागर करता है, अक्सर बड़े पैमाने पर नागरिक रक्षा योजना की आवश्यकता होती है।

Air Sovereignty (हवाई संप्रभुता)

हवाई संप्रभुता किसी राज्य के अपने क्षेत्र के ऊपर के हवाई क्षेत्र, जिसमें उसकी भूमि और क्षेत्रीय जल भी शामिल है, पर पूर्ण और अनन्य नियंत्रण को संदर्भित करती है। इसका मतलब है कि कोई भी विदेशी विमान, सैन्य या नागरिक, किसी देश के हवाई क्षेत्र में उसकी स्पष्ट अनुमति के बिना प्रवेश या उड़ान नहीं भर सकता है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक मौलिक सिद्धांत है, जो किसी राज्य की अपनी भूमि और समुद्र पर संप्रभुता के समान है। हवाई संप्रभुता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे एक राज्य अपनी सीमाओं को नियंत्रित कर सकता है, अनधिकृत घुसपैठ को रोक सकता है और अपने हवाई क्षेत्र को खतरों से बचा सकता है। हवाई संप्रभुता का उल्लंघन राजनयिक विरोध, सैन्य अवरोधन और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों को भी जन्म दे सकता है, जो अंतरराज्यीय संबंधों में इसके महत्व को रेखांकित करता है।

Air Surveillance (हवाई निगरानी)

हवाई निगरानी में आमतौर पर विमान, ड्रोन या उपग्रहों का उपयोग करके हवा से किसी क्षेत्र या गतिविधि का व्यवस्थित अवलोकन और निगरानी शामिल होती है, जो कैमरे, रडार या इन्फ्रारेड डिटेक्टर जैसे विभिन्न सेंसर से सुसज्जित होते हैं। इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी इकट्ठा करना, खतरों का पता लगाना, सीमाओं की निगरानी करना या गतिविधियों को ट्रैक करना है। राजनीतिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में, हवाई निगरानी राष्ट्रीय सुरक्षा, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और संधि सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह राज्यों को संभावित विरोधियों की निगरानी करने, सैन्य जमावड़े का निरीक्षण करने, अवैध गतिविधियों को ट्रैक करने या मानवीय स्थितियों का आकलन करने की अनुमति देती है। जबकि सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, यह गोपनीयता और दुरुपयोग की संभावना के बारे में भी चिंताएं बढ़ाती है, खासकर निगरानी प्रौद्योगिकियों की उन्नति के साथ।

Alarmist Propaganda (भयवादी प्रचार)

भयवादी प्रचार संचार का एक रूप है जिसे खतरों को बढ़ा-चढ़ाकर, सबसे खराब स्थिति पेश करके, या गलत सूचना फैलाकर आबादी के बीच डर, चिंता या घबराहट पैदा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका प्राथमिक लक्ष्य तत्काल आवश्यकता या आसन्न खतरे की भावना पैदा करके जनमत और व्यवहार में हेरफेर करना है। इस प्रकार के प्रचार का उपयोग अक्सर राजनीतिक अभिनेता या सरकारें संकट, संघर्ष या सामाजिक अशांति के समय समर्थन जुटाने, असंतोष को दबाने या कुछ कार्यों को सही ठहराने के लिए करते हैं। राजनीतिक विज्ञान में, इसे राजनीतिक हेरफेर के एक उपकरण के रूप में अध्ययन किया जाता है, जो यह बताता है कि भय का उपयोग आबादी को नियंत्रित करने और सार्वजनिक प्रवचन को आकार देने के लिए कैसे किया जा सकता है, अक्सर तर्कसंगत निर्णय लेने और महत्वपूर्ण सोच की कीमत पर।

Albaruni (अलबेरूनी)

अलबेरूनी, जिन्हें आमतौर पर अल-बिरूनी के नाम से जाना जाता है, एक फ़ारसी बहुज्ञ थे जिन्होंने इस्लामी स्वर्ण युग के दौरान गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, भूगोल और इतिहास सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हालांकि आधुनिक अर्थों में एक राजनीतिक वैज्ञानिक नहीं थे, उनके काम का उनके व्यापक ऐतिहासिक और भौगोलिक लेखन के माध्यम से राजनीतिक विज्ञान से संबंध है। विभिन्न संस्कृतियों, समाजों और राजनीतिक प्रणालियों, विशेष रूप से भारत में उनके विस्तृत अवलोकन, उनके समय की राजनीतिक संरचनाओं, सामाजिक रीति-रिवाजों और प्रशासनिक प्रथाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। ज्ञान के प्रति उनका अनुभवजन्य दृष्टिकोण और वस्तुनिष्ठ अवलोकन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने ऐसे आधार तैयार किए जो अप्रत्यक्ष रूप से ऐतिहासिक और तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययनों को सूचित करते हैं।

Al-Fatah (अल-फतह)

अल-फतह एक प्रमुख फिलिस्तीनी राष्ट्रवादी राजनीतिक दल और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) का सबसे बड़ा गुट है। 1950 के दशक के अंत में यासर अराफात और अन्य द्वारा स्थापित, यह फिलिस्तीनी मुक्ति आंदोलन में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा, शुरू में इजरायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में संलग्न रहा। समय के साथ, अल-फतह विकसित हुआ, अंततः इजरायल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया और फिलिस्तीनी प्राधिकरण में प्रमुख दल बन गया। राजनीतिक विज्ञान में, अल-फतह राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलनों, सशस्त्र प्रतिरोध से शासन में राजनीतिक परिवर्तन की जटिलताओं, और चल रहे संघर्ष और एक राष्ट्रीय आंदोलन के भीतर आंतरिक विभाजनों के बीच आत्मनिर्णय प्राप्त करने की चुनौतियों में एक महत्वपूर्ण केस स्टडी का प्रतिनिधित्व करता है।

Alienation (अलगाव)

राजनीतिक विज्ञान में, अलगाव का अर्थ व्यक्तियों या समूहों द्वारा अपनी राजनीतिक प्रणाली, समाज, या यहाँ तक कि अपने श्रम से अनुभव की गई टुकड़ी, अलगाव या शक्तिहीनता की भावना से है। यह संबंधित न होने, आवाज़ न होने, या यह महसूस करने के रूप में प्रकट हो सकता है कि राजनीतिक संस्थाएँ उनके हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। अलगाव विभिन्न कारकों से उत्पन्न हो सकता है, जिसमें सामाजिक असमानता, राजनीतिक भागीदारी की कमी, अप्रतिनिधित्ववादी शासन, या आर्थिक शोषण शामिल हैं। जब लोग अलग-थलग महसूस करते हैं, तो वे राजनीतिक प्रक्रियाओं से अलग हो सकते हैं, निंदक बन सकते हैं, या यहाँ तक कि विरोध या विद्रोह का सहारा ले सकते हैं। राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक आंदोलनों और लोकतांत्रिक प्रणालियों के स्वास्थ्य का विश्लेषण करने के लिए अलगाव को समझना महत्वपूर्ण है।

All India Services (अखिल भारतीय सेवाएँ)

अखिल भारतीय सेवाएँ (एआईएस) भारत की प्रमुख सिविल सेवाएँ हैं, जो देश के शासन और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन सेवाओं में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) शामिल हैं। एआईएस के अधिकारियों की भर्ती एक कठोर प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से की जाती है और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, लेकिन उनकी सेवाओं को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवंटित किया जाता है। वे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों में प्रमुख प्रशासनिक और कार्यकारी पदों पर रहते हैं, नीतियों को लागू करने, कानून और व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। राजनीतिक विज्ञान में, एआईएस का भारत की संघीय संरचना में उनकी भूमिका, राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान, और नीति कार्यान्वयन और सार्वजनिक प्रशासन पर उनके प्रभाव के लिए अध्ययन किया जाता है।

Allcreation (सर्वसृष्टि)

"सर्वसृष्टि" शब्द राजनीतिक विज्ञान के भीतर एक मानक या आमतौर पर मान्यता प्राप्त अवधारणा नहीं है। यह किसी अन्य शब्द की गलत व्याख्या हो सकती है, या शायद किसी विशेष उप-क्षेत्र या सैद्धांतिक ढांचे के भीतर एक बहुत ही विशेष शब्द हो सकता है जो व्यापक रूप से ज्ञात नहीं है। सामान्य राजनीतिक विज्ञान में, हम राज्य के गठन, अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों, सामाजिक संरचनाओं और मानव शासन से संबंधित अवधारणाओं पर चर्चा करते हैं। यदि इस शब्द का अर्थ सार्वभौमिक या वैश्विक शासन, या अस्तित्व के सभी पहलुओं को समाहित करने वाले एक व्यापक ढांचे जैसा कुछ है, तो यह राजनीतिक विज्ञान के विशिष्ट दायरे से बाहर होगा जो मुख्य रूप से स्थापित राजनीतिक संस्थाओं के भीतर मानव संगठन और शक्ति से संबंधित है। आगे के संदर्भ के बिना, एक विशिष्ट राजनीतिक विज्ञान स्पष्टीकरण प्रदान करना मुश्किल है।

Allegiance (निष्ठा)

निष्ठा का अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा अपनी सरकार, संप्रभु, या राज्य के प्रति वफादारी या विश्वास से है। यह राजनीतिक विज्ञान में एक मौलिक अवधारणा है, विशेष रूप से नागरिकता, राष्ट्रवाद और व्यक्तियों और राज्य के बीच संबंध के बारे में चर्चाओं में। नागरिकों से आम तौर पर अपने देश के प्रति निष्ठा दिखाने की उम्मीद की जाती है, जिसमें अक्सर कानूनों का पालन करना, करों का भुगतान करना और यदि आवश्यक हो तो राष्ट्र की रक्षा करना शामिल होता है। जबकि इसे अक्सर एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता है, निष्ठा एक कानूनी दायित्व भी हो सकती है, जैसा कि नए नागरिकों या सार्वजनिक अधिकारियों के लिए निष्ठा की शपथ में देखा जाता है। यह अवधारणा दोहरी नागरिकता के मामलों में या जब व्यक्ति अपनी निष्ठा को प्रतिस्पर्धी राजनीतिक संस्थाओं या विचारधाराओं के बीच विभाजित महसूस करते हैं, तो जटिल हो जाती है।

Alliance (गठबंधन)

राजनीतिक विज्ञान में 'गठबंधन' का अर्थ दो या दो से अधिक राज्यों या राजनीतिक समूहों के बीच आपसी लाभ के लिए या सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक औपचारिक समझौता या साझेदारी से है। गठबंधन विभिन्न कारणों से बन सकते हैं, जिनमें सामूहिक सुरक्षा (बाहरी खतरे के खिलाफ आपसी रक्षा), आर्थिक सहयोग, या साझा राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाना शामिल है। वे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की एक सामान्य विशेषता हैं, जो शक्ति संतुलन को आकार देते हैं और राजनयिक रणनीतियों को प्रभावित करते हैं। गठबंधन अल्पकालिक या दीर्घकालिक हो सकते हैं, और उनकी शर्तें और प्रतिबद्धताएं काफी भिन्न हो सकती हैं। वे संघर्ष रोकथाम, बोझ-साझाकरण और क्षेत्रीय या वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, हालांकि वे तनाव का स्रोत भी हो सकते हैं और प्रॉक्सी संघर्षों को जन्म दे सकते हैं।